www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

मौसम
अधिकतम - 39°C
न्यूनतम - 28°C

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

9 जून 2024
हरदा, रविवार
वर्ष-14, अंक - 5, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
ज्येष्ठ शुक्ल 3
विक्रम संवत् 2081

शादीशुदा प्रेमी जोड़े ने श्रृंगार किया, फिर सुसाइड

युवक ने पत्नी से कहा था- स्वीकार कर लो, दोनों को साथ रखूंगा

रतलाम (एजेंसी)। रतलाम में प्रेमी जोड़े ने एक ही रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों शादीशुदा थे और दो - दो बच्चे हैं। घटना पिपलौदा थाने के बड़ौदा गांव की है। शुक्रवार देर शाम 7 बजे दोनों के शव खेत में गुमटीनुमा टीनशेड में लोहे के एंगल से फांसी के फंदे पर लटके मिले।

ग्राम बड़ौदा के रहने वाले कमलेश शर्मा (33) और सपना प्रजापत (31) 31 मई को घर से भाग गए थे। चार दिन पहले दोनों पिपलौदा थाने पहुंचे थे। यहां पुलिस से कहा- दोनों साथ रहना चाहते हैं। परिवार के लोगों ने घर आने से मना कर दिया है। तब से पिपलौदा के एक होटल में ठहरे हुए थे।

महिला का शव नहीं ले गए परिजन- शवों का पोस्टमॉर्टम शनिवार सुबह पिपलौदा के स्वास्थ्य केंद्र में हुआ। महिला के पिता और भाई आए, लेकिन वे शव नहीं ले गए। उनका कहना था कि हमारा कोई वास्ता नहीं है। इस पर पुलिस ने महिला के शव का पिपलौदा में ही अंतिम संस्कार किया।

पत्नी को फोन कर कहा- दोनों को साथ रखूंगा

कमलेश ने पत्नी सुनीता को शुक्रवार को फोन कर कहा कि दोनों को साथ रखूंगा। तुम इसे स्वीकार कर लो, लेकिन पत्नी ने आपत्ति ली। इसके बाद दोनों में कहासुनी हुई। शाम को करीब 4 बजे कमलेश और सपना पिपलौदा से निकले और सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार, शाम को कमलेश के परिजन अपने खेत की तरफ गए, तब गुमटी में दोनों के शव देखे और पुलिस को सूचना दी। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है। पुलिस के मुताबिक, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन घटनास्थल पर दोनों के शव देखकर लग रहा है कि उन्होंने नए कपड़े पहने हैं। नव विवाहित के तौर पर सपना ने श्रृंगार किया और नई साड़ी पहनी। युवक ने भी तिलक लगाया हुआ है।

मायके वाले आने को तैयार नहीं थे- जावरा एसडीओपी शक्ति सिंह चौहान और पिपलौदा थाना प्रभारी रेखा चौधरी मौके पर पहुंचे। महिला के मायके वालों से संपर्क किया तो उन्होंने आने से मना कर दिया। बोले- हमारा उससे कोई वास्ता नहीं है। जैसे - तैसे पुलिस ने महिला के परिजन को मनाया।

नर्मदा का नहीं शिप्रा का पानी ही मिलेगा लोगों को: सीएम यादव

पीएम मोदी के शपथ समारोह में शामिल होंगे सीएम एवं मंत्रीगण

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 9 जून को दिल्ली में होने वाले पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ समारोह में शामिल रहूंगा। साथ ही मंत्रिमंडल के सहयोगी, जन प्रतिनिधि और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा- राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत सभी सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ जल्द अलग-अलग बैठकें कर राज्यों के सहयोग से पूरे किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स को पूरा कराने का काम किया जाएगा। इसके लिए जल्दी ही बैठकों का दौर शुरू होगा।

भोपाल में पेड़ काटे जाने का निर्णय नहीं- भोपाल में मंत्रियों के बंगलों के लिए पौधे काटे जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा प्रोजेक्ट तो रोज बनते हैं पर उसे देख कर ही मंजूरी दी जाती है।

पड़ोसी राज्यों से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर करेंगे बैठक

- **नर्मदा का नहीं शिप्रा का पानी ही मिलेगा लोगों को-** मुख्यमंत्री ने कहा- शिप्रा जहां से निकलती हैं वह इंदौर का छोटा गांव है। शिवराज सरकार में नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत जल प्रवाह बनाए रखा गया है। लोगों की मांग है कि शिप्रा में शिप्रा का पानी चाहिए। सेवरखेड़ी के पास देवास और उज्जैन के बीच एक नया स्थान चयन किया है। इसमें 6 सौ करोड़ रुपए का खर्च आएगा। कान्ह नदी का पानी शिप्रा में मिलता है। कान्ह नदी इंदौर से निकलती है। इंदौर के सीवर का पानी उज्जैन में आता है। इसके बचाव के लिए 700 करोड़ का टेंडर कर कान्ह नदी के पानी को साफ करने के लिए कहा है। इसके बाद यह पानी पाइप से आएगा, लेकिन इसके बाद भी यह कोशिश होगी कि यह पानी शिप्रा में न मिले क्योंकि साधु संत और अन्य लोग शिप्रा के पानी का आचमन करते हैं।

आज नेमावर आएंगे मुख्यमंत्री मोहन यादव

अनोखा तीर, हरदा। प्रदेश में नदी, कुएं और बावड़ियों को बचाने के लिए १६ जून गंगा दशहरा तक जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के मुखिया मोहन यादव नेमावर के नर्मदा तट पर रविवार को इस अभियान का शुभारंभ करेंगे। वह सुबह ९.३० बजे नेमावर पहुंचकर सबसे पहले भगवान सिद्धनाथ के दर्शन एवं अभिषेक कर नर्मदा तट पर साफ-सफाई अभियान में शामिल होंगे। इसके पश्चात वह दंडी आश्रम जाएंगे और भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री श्री यादव शुजालपुर होते हुए दिल्ली में होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होंगे।

म.प्र. को चार मंत्री मिल सकते हैं!

शिवराज के अलावा दो नए चेहरों को मिल सकता है मौका, कुलस्ते से मिले सीएम

- **मंत्रियों में सिर्फ सिंधिया हो सकते हैं रिपीट**

अनोखा तीर, भोपाल।

आज नरेंद्र मोदी 9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। पीएम की शपथ से पहले मंत्रिमंडल को लेकर मंथन चल रहा है। देश में बीजेपी के कई मजबूत राज्यों में हार हुई, लेकिन एमपी में पहली बार रिकॉर्ड सभी 29 सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की। इस जीत के बाद सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि एमपी से कितने मंत्री बनाए जाएंगे।

सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल का फॉर्मूला तैयार हो गया है। एमपी को चार मंत्री मिल सकते हैं। मौजूदा मंत्रियों में सिर्फ ज्योतिरादित्य सिंधिया को रिपीट किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान में नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मोदी 3.0 में कैबिनेट में मंत्री बनाया जा सकता है। एनडीए के घटक दल टीडीपी और जेडीयू ने कृषि मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय की मांग की है। अब ऐसे में शिवराज को कौन सा मंत्रालय मिलेगा, इस पर फैसला नहीं हुआ है। मोदी के तीसरे कार्यकाल में सिंधिया दूसरी बार मंत्री बनेंगे।

दो राज्यमंत्री हो सकते हैं

एनडीए के घटक दलों ने कई अहम मंत्रालयों की डिमांड की है। ऐसे में घटक दलों को साधने के लिए मंत्रिमंडल से पुराने चेहरों को ड्रॉप कर नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है। नए सांसदों को मंत्रिमंडल में शामिल करने से दो फायदे हैं। पहला- कैबिनेट मंत्री बनाने की बाध्यता नहीं होगी। दूसरा- विभाग को लेकर भी किसी तरह का असंतोष नहीं होगा।

हिमाद्री, महेन्द्र को मिल सकता है मौका

29 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी एमपी के जातीय संतुलन का भी ध्यान रखेगी। एमपी की करीब 22 फीसदी आदिवासी वर्ग को साधे रखने के लिए शहडोल से दूसरी बार की सांसद हिमाद्री सिंह को राज्यमंत्री बनाया जा सकता है। वहीं, दलित चेहरों में डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक की जगह देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी को जगह मिल सकती है। सोलंकी भी दूसरी बार चुनाव जीते हैं।

वीडी की भूमिका भी राष्ट्रीय राजनीति में अहम होगी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो से दूसरी बार साढ़े पांच लाख वोटों से चुनाव जीते वीडी शर्मा की भूमिका राष्ट्रीय राजनीति में अहम होगी। वीडी शर्मा के अध्यक्षीय कार्यकाल में एमपी के विधानसभा चुनाव में 163 सीटें बीजेपी ने जीतीं। लोकसभा चुनाव में सभी 29 लोकसभाओं पर जीत दर्ज की। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा संगठन को तय किए गए टास्क को एमपी ने सबसे पहले पूरा किया है। एमपी के संगठन में कई नवाचार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने किए हैं।

कुलस्ते और खटीक का पत्ता कट सकता है

इस बार बीजेपी बहुमत के आंकड़े को हासिल करने से चूक गई। पहला मौका है जब मोदी एनडीए के सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाएंगे। ऐसे में सरकार में शामिल दलों को साधने के लिए मंत्रिमंडल में जगह देनी होगी। इस वजह से एमपी से मौजूदा सरकार में दो केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक और फग्गन सिंह कुलस्ते को ड्रॉप किया जा सकता है। शुक्रवार रात को सीएम डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में कुलस्ते के आवास पर जाकर मुलाकात भी की है।

म.प्र.को मिली एक और महिला आईएएस

- **इटारसी एसडीएम प्रतीक से विवाह करने वाली अनीशा को केंद्र ने एमपी कैडर में भेजा**

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्यप्रदेश को जल्द ही एक और महिला आईएएस अधिकारी मिलने वाली हैं। एजीएमयूटी में पदस्थ 2021 बैच की आईएएस अधिकारी अनीशा श्रीवास्तव को डिपार्टमेंट आफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग ने एमपी कैडर आवंटित कर दिया है। अनीशा को एमपी कैडर उनके विवाह के कारण मिला है। अनीशा ने एमपी कैडर के आईएएस टी प्रतीक राव के साथ विवाह किया है और इस कारण अनीशा को एमपी कैडर में भेजने के आदेश जारी किए गए हैं। आईएएस अनीशा के पति और आईएएस अधिकारी देवास में एसडीएम रहे हैं, और फिलहाल नर्मदापुरम जिले में एसडीएम इटारसी के रूप में पदस्थ हैं। टी प्रतीक राव के पिता टी धर्माराव एमपी कैडर के आईएएस अफसर रहे हैं। 11 साल पहले वर्ष 2013 में एमपी कैडर के आईएएस धर्माराव और उनकी पत्नी विद्या धर्माराव का लेह लद्दाख में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। इसके बाद प्रतीक राव और उनके छोटे भाई ने माता-पिता की कमी के बीच पढ़ाई का संघर्ष पूरा किया। 2019 बैच के आईएएस प्रतीक राव ने तीसरे अटेम्प्ट में सफलता पाई है और अब उनके साथ विवाह कर अनीशा श्रीवास्तव भी एमपी कैडर की आईएएस अधिकारी बन गई हैं।

आकाश त्रिपाठी एडिशनल सेक्रेट्री के लिए इम्पैनल- दूसरी ओर, मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी और केंद्र में पदस्थ आकाश त्रिपाठी को केंद्र सरकार ने एडिशनल सेक्रेट्री और उसके समकक्ष पद के लिए इम्पैनल किया है। त्रिपाठी पिछले साल ही केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर गए हैं। एमपी में त्रिपाठी ग्वालियर, इंदौर कलेक्टर के साथ विभिन्न विभागों में पदस्थ रहे हैं।

दमोह रेलवे स्टेशन पर ढाई माह के बच्चे की हत्या

- **पिता बोला- जीआरपी के सामने मारा, मदद मांगी तो पुलिसवालों ने गालियां दीं**

दमोह (नप्र)। दमोह रेलवे स्टेशन पर एक शख्स ने ढाई माह के बच्चे की हत्या कर दी। स्टेशन पर मासूम की मां उसे पानी पिला रही थी। पिता फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान काला कुर्ता और केसरिया धोती पहने एक व्यक्ति वहां पहुंच गया। मां-पिता कुछ समझ पाते इससे पहले ही उसने मासूम को पीटना शुरू कर दिया।

मां हड़बड़ाहट में उठी और बच्चे को बचाने लगी। आरोपी उससे भी मारपीट करने लगा। पति बचाने पहुंचा तो उसे पीटकर आरोपी ने दौड़ा लगा दी। ये पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। दंपती ने बेटे को देखा तो वह कोई हलचल नहीं कर रहा था। घटना आज शनिवार सुबह करीब 5 बजे की है।

बच्चे के पिता ने जीआरपी पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा, प्लेटफॉर्म पर मौजूद पुलिस वालों से मदद की गुहार लगाई। उन्होंने गालियां दीं और कहने लगे तेरा बच्चा मर गया है, इसे घर ले जा। फिर मैंने 100 नंबर डायल किया। वे आए तो उन्होंने इन्क्वायरी की।

पिता बोला-

- **आरोपी जीआरपी के सामने था, लेकिन कुछ नहीं किया-** बच्चे के पिता लेखराम आदिवासी ने बताया, मैं परिवार के साथ गोंडवाना एक्सप्रेस से दिल्ली से अपने घर मडियादो आ रहा था। तभी दमोह में बच्चे की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। मैंने सोचा कि यहीं दमोह में इलाज करवा लूंगा। स्टेशन पर उसे पानी पिला रहा था। तभी छोटे भाई को बताने के लिए फोन किया कि हम बच्चे को एडमिट करवा रहे हैं। इसी दौरान एक आदमी आया और उसने बच्चे को तीन-चार थप्पड़ मारे। पत्नी को भी मारा। मैं बचाने गया तो मुझे भी पीटा। मैंने ईंट उठाई तो वह भाग गया। मैंने पास खड़े पुलिसवालों से बोला कि सर ये मेरे बच्चे को मार रहे हैं। आरोपी उनके सामने ही था। वो मुझे गालियां देने लगे और कहा कि बच्चा मर गया है, घर ले जा।

जीआरपी बोली-

- **बच्चा पहले से बीमार था, हाथापाई हुई-** जीआरपी चौकी प्रभारी एएसआई महेश कोरी ने बताया कि सुबह गोंडवाना एक्सप्रेस से लेखराम आदिवासी (21) अपनी पत्नी और ढाई महीने के बच्चे के साथ उतरे थे। मेन गेट पर उसे पानी पिला रहे थे। बच्चा पहले से बीमार था। एक व्यक्ति ने आकर हाथापाई की, जिससे बच्चे की मौत हो गई। आरोपी की तलाश की जा रही है। कोरी ने कहा, दमोह स्टेशन पर 24 घंटे ट्रेन आती-जाती रहती हैं। हर वक्त पुलिस उपलब्ध रहती है। बल की कमी होने के कारण एक आरक्षक ड्यूटी पर था। वह प्लेटफॉर्म नंबर दो पर ट्रेन को अटेंड कर रहा था, उसी समय घटना हुई। सीसीटीवी फुटेज चेक करवाए गए हैं।

नीट यूजी रिजल्ट को हाईकोर्ट में चुनौती

अनोखा तीर, भोपाल। देश के मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में दाखिले के लिए हुए नेशनल इलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर यूजी (नीट जी) टॉप 13 छात्रों के रोल नंबर आसपास के होने के कारण चर्चा में है। भोपाल और जबलपुर की दो छात्राओं ने रिजल्ट पर सवाल उठाते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। छात्राओं ने नीट जी कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के रिजल्ट को गलत ठहराया है। इधर, एनएसयूआई ने भोपाल में प्रदर्शन कर रिजल्ट की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। भोपाल छात्रा के मुताबिक एनटीए की आंसर-की से रिस्पोंड शीट का मिलान करने पर उन्हें 617 नंबर मिल रहे हैं, लेकिन रिजल्ट में 340 अंक ही आए। भोपाल के कोलार रोड स्थित गांव देहरी कलां में रहने वाली छात्रा निशिता सोनी ने बताया कि नीट-यूजी 5 मई को हुआ था।

नीतीश-नायडू की बैसाखियों के सहारे भाजपा सरकार?

अब बैसाखियों से टूक-टूक कर चला तो जा सकता है, मगर वह दौड़ नहीं लगाई जा सकती जो विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री लगाने चाहते है। शपथ ग्रहण के पहले ही चंद्राबाबू की तेलगू देशम और नीतीश कुमार की जनता दल यू ने मुसलमानों के आरक्षण, अग्निवीर योजना तथा जातिगत जनगणना जैसे भाजपा के पसंद के मुद्दों पर सवाल उठाकर अपने तेवर तो दिखा दिए। जाहिर है दोनों ही महानुभाव नेता मात्र मोदी के दर्शन से कृतार्थ होने तो नहीं पधारे होंगे।

- विष्णु कौशिक, भोपाल।

अब कोई माने न माने, कड़वे सच को स्वीकार करें ना करें, लेकिन भारत की नेताप्रधान राजनीति में हुए लोकसभा चुनाव में अन्य बातों के अलावा दो बातें तो स्पष्ट रुप से उभरकर सामने आई एक तो यह कि अखण्ड ब्रम्हाण्ड में सर्वशक्तिमान नेता रामभक्त महाबलियों की फौज, परिश्रमी कार्यकर्ताओं की फौज तथा तमाम किस्म की गारंटियों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद तथा अन्य अनेक भगवा वस्त्रधारी हिन्दूवादी संगठनों से मालामाल, अजेय मानी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी को हराया भी जा सकता है और दूसरी बात यह जिस मरी मराई कांग्रेस को देश से मुक्त करने के लिए तमाम किस्म की कार्रवाईयां की जा रही थी, आज्ञाकारी निष्पक्ष जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर डराया धमकाया जा रहा था, उस कांग्रेस को पुर्नजीवित कर चुनौती के मुकाबले के लिए खड़ा भी किया जा सकता है, जिसे कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी में विस्फोट कर कांग्रेस की धमाकेदार वापसी कर सभी को भौचक्का कर दिया। वह तो भाजपा को शुक्रगुजार होना चाहिए इंडिया नामक विरोधियों की आपसी कलह का जिसकी वजह से नामांकन वापसी तक आपस में झगड़ते रहे, लोभ-लालच में उम्मीदवार मैदान से हटाए जाते रहे, चुनाव जीतने के लिए जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को गिराने का खेला खेला जाता रहा और फ्रंटलाईन के नेताओं खासकर मुख्यमंत्रियों को जेलों में ठूंसकर जीत का राष्ट्रीय राजमार्ग प्रशस्त किया जाता रहा, अगर ऐसा नहीं होता और लोकतंत्रीय मूल्यों, राजनीतिक सुचिता तथा निष्पक्ष और पारदर्शी होने का दावा करने के लिए चर्चित चुनाव आयोग का सहयोग न होता तो आज लाख कोशिशों और हथकंडों के बाद भी स्पष्ट बहुमत हासिल करने में नाकामयाब रहने वाली भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में नजर आती और कांग्रेस अर्थात् इंडिया सत्ता पक्ष में सुशोभित होती। लेकिन वह तो मोदी नाम को दांव पर लगाने का ही करिश्मा था कि राम नाम जपते-जपते भारतीय जनता पार्टी ने फिर लाल किले पर कब्जा कर लिया और मोदी को कोस-कोसकर कंठ सुखाने वाला इंडिया गठबंधन विपक्ष में पहुंचने के बाद भी जश्न मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी लोकतंत्रीय मूल्यों को बनाए रखने के लिए देश की राजनीति में एक कारगर, धारदार और सरकार की खामियों को उजागर करने वाले जनोन्मुखी सशक्त विपक्ष की जरुरत है तो देश की मतदाता जनता ने अपनी जीत के लिए आश्वस्त प्रधानमंत्री की यह बात मान ली और देश को एक ऐसा सशक्त विपक्ष दे दिया जो अभी तक नसीब नहीं हुआ था। अब विपक्ष अर्थात् इंडिया की जिम्मेदारी है कि वह जनता के भरोसे से विश्वासघात न करें, हंगामों से संसद की कार्रवाई ठप्प न करें, कागजों की फेकाफाकी न करें और मारपीट करने से बाज आकर अपनी राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दें। चुनाव जीतने के लिए लोगों की नजरों से गिराने के मकसद से प्रधानमंत्री ने दो शहजादों का खूब मखौल उड़ाया, लेकिन यह मखौल भारतीय जनता पार्टी को महंगा पड़ गया। एक शहजादे राहुल गांधी ने मोदी के देश में और योगी के उत्तरप्रदेश में कमाल कर पांसा पलट दिया और नामुमकीन को मुमकीन बनाकर इतनी सीटें हासिल कर ली कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के सारे किये कराए पर पानी फेर दिया। मगर जीत तो आखिर जीत होती है, भले ही एक वोट से हो या एक सीट से और मोदी के मोदीत्व ने यह जीत हासिल कर ली। अब स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं कर सकें यह बात अलग है और इसी बात को लेकर कहीं-कहीं भाजपाई असंतुष्ट तेवर भी दिखाने लगे है तो कुछ नेता भी मन मारकर समीक्षा की वकालत करने लगे है।

फिर भी जीत तो उस नरेन्द्र मोदी की ही हुई है जिन्होंने दिन देखा न रात, सुबह देखी न शाम भाजपा को 400 पार कराने में जुटे रहे। अब अगर उन्हें अपेक्षित सहयोग मिल जाता तो भारतीय जनता पार्टी 300 से ऊपर तो पहुंच ही चुकी होती। सच्चाई यह भी है कि भाजपा का पूरा का पूरा चुनाव मोदी केन्द्रित होकर रह गया था और स्वयं मोदी ही कहने लगे थे कि मोदी यह कर लेगा वह कर देगा, तो भाजपा के एक तबके ने शायद यही सोचा होगा कि जब मोदी ही सब कुछ कर रहे है, पार्टी चुनाव जीत ही रही है तो फिर उनकी जरुरत ही क्या है। लिहाजा ऐसे लोग दर्शकदीर्घा में बैठकर चुनाव का नजारा देखने लगे। भाजपा के एक तबके ने तो जब देख लिया कि जनाधारविहीन लोकप्रिय कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं की अंधाधुंध भर्ती करने से उनका भविष्य खतरे में है तो उन्होंने भी बेरूखी धारण कर बुद्धमुद्रा प्राप्त कर ली, अन्यथा सभी अपने-अपने आग्रह दुराग्रह तथा पूर्वाग्रह त्यागकर मोदी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में जुट जाते तो स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने से कोई माई का लाल रोक भी नहीं सकता था। चुनाव सम्पन्न होने के बाद जब कांग्रेस अर्थात् इंडिया अर्थात् गठबंधन अपने उपलब्धि पर इतराते नजर आने लगा तो प्रधानमंत्री ने नसीहत भरा कटाक्ष किया कि बड़ी अजीब बात है, जीती तो भारतीय जनता पार्टी है मगर उछल रहे है इंडिया वाले। मगर इस सच्चाई को भी कैसे झुठलाया जा सकता है कि वे इंडिया वाले ही है जिन्होंने मोदी सरकार को चंद्राबाबू नायडू और राजनीति में सर्वाधिक अविश्वसनीय साबित हुए पलटूराम से विख्यात नीतीश कुमार नाम की बैसाखियां पकड़ा दी। अब बैसाखियों से टूक-टूक कर चला तो जा सकता है, मगर वह दौड़ नहीं लगाई जा सकती जो विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री लगाने चाहते है। शपथ ग्रहण के पहले ही चंद्राबाबू की तेलगू देशम और नीतीश कुमार की जनता दल यू ने मुसलमानों के आरक्षण, अग्निवीर योजना तथा जातिगत जनगणना जैसे भाजपा के पसंद के मुद्दों पर सवाल उठाकर अपने तेवर तो दिखा दिए। जाहिर है दोनों ही महानुभाव नेता मात्र मोदी के दर्शन से कृतार्थ होने तो नहीं पधारे होंगे। आखिर उन्हें भी तो अपने प्रदेश की जनता को जवाब देना है। वैसे भी असल सत्य यही है कि गठबंधन की सरकारें लेनदेन के बिना तो चल ही नहीं सकती। अब शपथ ग्रहण के बाद मंत्री पद की बंदरबांट जब होगी और किसी को पसंद के किसी को नापसंद के मंत्रालय दिए जाएंगे तब क्या होगा वक्त ही बताएगा, लेकिन बताएगा जरुर। यही नहीं भाजपा नेतृत्व के समक्ष एक समस्या कांग्रेस से लोभ लालच देकर लाए गए भ्रष्ट नेताओं को एडजस्ट करने की भी है। यदि जिस मान सम्मान के लिए उन्हें आश्वस्त किया गया है यदि उन्हें वह हासिल नहीं हुआ तो फिर कांग्रेसियों की फितरत क्या है यह भी भला बताने वाले कोई बात है। कांग्रेस के नेता तो बिना पद के रह भी नहीं सकते, इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता। वैसे भी गठबंधन सरकारें चाहे वह किसी भी पार्टी की रही हो ब्लेकमेलिंग के दबाव में ही दबती रही है और इसी वजह से टूटती भी रही है। प्रधानमंत्री इन सब बातों से वाकिफ नहीं है ऐसा भी नहीं है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ फिर दोहराया है कि गारंटियां तो हर हाल में हर कीमत पर और हर सूरत में पूरी की जाएगी। अब जैसा की मिलीजुली सरकारों में होता आया है घटक दल और उनके नेता दबाव तो बनाएंगे ही, लेकिन एक बात तय है कि यह वह नरेन्द्र मोदी है, किसी के दबाव में आना उसकी फितरत में नहीं है। फिर भी यह हरजाई राजनीति है कब कैसी पलटी खा जाए, कैसी परिस्थितियों का निर्माण कर दें कहा नहीं जा सकता। अब जहां तक अपने मध्यप्रदेश का सवाल है तो मोदी के पट्ठे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मैदानी रणनीति धुंआधार प्रचार और मोदी की तर्ज पर ताबड़तोड़ जनसंपर्क ने कांग्रेस के टीन टप्पर उड़ा दिए और नाम लेवा पानी देवा तक के लिए एक भी सीट नहीं दी। प्रदेश में कांग्रेस की इस हालत के लिए नेता ही जिम्मेदार है और कोई नहीं। तभी कहने वाले कहते तो क्या गलत कहते है कि एक जमाने में कांग्रेस का गढ़ समझने जाने वाले प्रदेश में यह चुनाव कांग्रेस के नेता हारे है कांग्रेस नहीं। अब पार्टी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को हाईकमान ने दिल्ली तो बुलाया है, लेकिन उससे कोई हल इसलिए नहीं निकलेगा क्योंकि वे अपनी खामियां कमजोरियां तो बताने से रहे। इससे तो बेहतर होगा कि हाईकमान कांग्रेस के जिले जिलों से सर्वज्ञात हकीकत जाने के लिए नेताओं के बदले कार्यकर्ताओं की राय लें।

और अंत में...

वो तो गनीमत रही कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की राजनीतिक शिकारगाह के शिकार कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को ऐसे जाल में उलझाया की वे कांग्रेस जीताने के लिए प्रदेश दौरे पर निकल ही नहीं सकें, लेकिन निकलते तो शायद इतने वोट भी नहीं मिलते।

जीवन खुली किताब...

जीवन चेहरों की खुली किताब,
चेहरों को देख पड़ लेती आंखें।
जीवन चेहरों की खुली किताब,
जिसके हर पन्ने पर लिखी कहानी।
बचपन की आड़ी तिरछी रेखाएं,
यही नसीब का अनमोल खजाना।
खुली किताब बचपन के चेहरे,
हर दम खुश हो जाते।
रेखाएं जीवन की तस्वीर बनाती,
यही जीवन की खुली किताब।
हर चेहरा उसको पड़ लेता,
नई शौहरत को तलाशते।
बीती बातें छोड़ आगे बढ़ जाता,
रूप निखार यौवन की सीढ़ी।
जीवन की ज्योति बन जाती,
पन्नों को रोज बदलते।
जीवन का लक्ष्य दीप बनाते,
खुली किताब है तेरा जीवन।
यही तेरी अनमोल धरोवर,
हर पन्नों पर फूलों की मूरत।
हर पन्नों को पड़ लेती,
जीवन चेहरों की खुली किताब,
चेहरों को देख पड़ लेती आंखें।

- गोविन्द सूचिक (अदनासा) खिरकिया, जिला हरदा, नर्मदापुरम संभाग, मध्यप्रदेश।

इज़्तराबों में घुल गई

अब के भी बहार आयी तो यूं ही गुज़र गई,
घड़ियां ख्वाबों की इंतेज़ार में ही गुज़र गई।
सफ़र सफ़र ही रहा में भी मंज़िलों से दूर,
संग ए गिरा थे ख्वाब तिशनगी में गुज़र हुई।
चांद भी रफ़्ता रफ़्ताअब हुआ मद्धम सा,
जुस्तजू थी फूलों की कांटों से उलझ गई।
उम्रे रवां थी रुकती भी किस तरह बोलो,
होंठ हुए गुलाब, आंखें तीरों में बदल गई।
कैसी अजीब प्यास थी, बेक़रारी लिये हुये,
फूलों से जले हाथ, मंज़िलें ही बदल गई।
दर्द की रहगुज़र ज़िंदगी की हक़ीक़त बदली,
रफ़्ता रफ़्ता मुश्ताक़ इज़्तराबों में घुल गई।

- डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह (सहज़), हरदा मध्य प्रदेश।

शीश नहीं झुकाऊंगा...

जिंदगी की भाग दौड़ में,
न रुकूंगा, न थकूंगा।
हार कर बैठूंगा नहीं,
शीश कभी झुकाऊंगा नहीं।
बाधाएं आती है आए,
चाहे आसमा में छाई हो।
घनघोर घटाएं,
सुखद छत की उम्मीद कभी रखूंगा नहीं।
शीश कभी झुकाऊंगा नहीं,
मन के सपाट पटल पर।
सागर को लहरों की उथल पुथल पर,
हिचकोले खाऊंगा नहीं।
शीश कभी झुकाऊंगा नहीं,
तुम होगे शीर्ष सिंहासन पे,
शुभता सफलता के आसन पे।
मैं गीत अपनी लघुता का गाऊंगा नहीं,
शीश कभी नहीं झुकाऊंगा।
मिटा दूंगा अंधेरे की दीवार को,
मेहनत के प्रहार से।
पहाड़ों सी ऊंचाई को छोटे-छोटे कदमों से लांघ जाऊंगा,
हार के भाल पे, विजय तिलक मैं लगाऊंगा।
शीश नहीं झुकाऊंगा।

- नितिन सोनी, हरदा।

नए कानून का 60 प्रधान आरक्षक व निरीक्षक को दिया प्रशिक्षण

अनोखा तीर, खंडवा। नवीन आपराधिक अधिनियम 1 जुलाई से लागू किया जाना है। नवीन आपराधिक अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु सभी पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को उक्त कानून की विस्तृत जानकारी व बारीकियों से अवगत एवं प्रशिक्षण कराने हेतु पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा इकाई स्तर पर अधिक से अधिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाने एवं इकाई अंतर्गत समस्त अनुसंधानकर्ता अधिकारियों के शत प्रतिशत प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस हेतु जिला खंडवा में पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के मार्गदर्शन में पंचम बैच के 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पुलिस कंट्रोल रूम शनिवार को समापन हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधान आरक्षक से निरीक्षक स्तर के अधिकारियों/ कर्मचारियों का तीन दिवसीय जोन स्तरीय ऑनलाइन वेबीनार आयोजित किया गया। इस ऑनलाइन वेबीनार में जिले के कुल 60 प्रशिक्षणार्थी प्रधान आरक्षक से निरीक्षक स्तर के अधिकारी/ कर्मचारी ने भाग लिया। जिन्हें नवीन आपराधिक कानून 2023 के संबंध में चर्चा करते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं

भारतीय साक्ष्य अधनियम 2023 के बारे में सहायक जिला अभियोजन अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया गया कि 1 जुलाई 2024 से उक्त कानून लागू होंगे, समय बहुत कम है अतः सभी लोग गंभीरता से नवीन कानून की धाराओ को समझे और यदि कोई समस्या या क्वेरी हो तो संबंधित एडीपीओ से संपर्क कर समाधान करे। जिले के शेष समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी नवीन आपराधिक कानून 2023 के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि नए कानून का अच्छे से ज्ञान हो सके एवं उसे लागू कराने में आने वाली समस्याओं को दूर किया जा सके।

प्रदेश के कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

- **छिंदवाड़ा, डिंडोरी, सिवनी, बालाघाट-अनूपपुर में ओले गिरने के आसार**

अनोखा तीर, भोपाल।

दक्षिण छिंदवाड़ा, डिंडोरी, सिवनी, उत्तरी बालाघाट और अनूपपुर के अमरकंटक में आकाशीय बिजली गिरने के साथ ओलावृष्टि और तेज आंधी चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में मौसम बदलने का अनुमान जताया है। यहां हवा की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। इसी तरह उत्तरी नीमच, पांढुर्णा, मंडला में आंधी, बारिश जारी रहने की संभावना है।

दक्षिणी नीमच, मंदसौर, उज्जैन, रतलाम, अलीराजपुर, झाबुआ, इंदौर, धार, दक्षिणी बैतूल, दक्षिणी सिंगरौली, पूर्वी जबलपुर, दक्षिणी शहडोल और उमरिया जिलों में बिजली चमकने के साथ हल्की गरज के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), ट्रफ लाइन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से ऐसा ही मौसम रहेगा।

इंदौर में रुक-रुककर हो रही बारिश

इससे पहले बड़वानी और देवास में शनिवार रात से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। भोपाल में भी रात एक बजे के बाद बारिश हुई। इधर, धार के मनावर में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई इंदौर में शुक्रवार दोपहर हल्की बारिश के बाद आधी रात फिर बारिश शुरू हो गई। सुबह 8 बजे तक अलग-अलग हिस्सों में रुक-रुककर रिमझिम होती रही। अब तापमान में गिरावट के साथ बादल छाए हुए हैं, जिससे मौसम ठंडा।

भोपाल में रात में हुई बारिश, दिन-रात के टेंप्रेचर में गिरावट- भोपाल में शनिवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। शहर के कई इलाकों में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश से मौसम में ठंडक है। शहर के बड़े तालाब समेत पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भीड़ है। मौसम विभाग ने दो दिन बारिश का अलर्ट जारी किया है। कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है।

ओडिशा में शपथ के लिए एमपी के नेताओं को जिम्मा

- **मंत्री विश्वास सारंग, सांसद आलोक शर्मा और प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पारासर को भेजा**

अनोखा तीर, भोपाल।

ओडिशा विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मंत्रिमंडल गठन में जुटे भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने एमपी के 3 बीजेपी नेताओं को शपथ की तैयारियों का जिम्मा सौंपा है। मोहन सरकार में मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल के नव निर्वाचित सांसद व बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा तथा बीजेपी के प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर को केंद्रीय संगठन ने ओडिशा पहुंचने के लिए कहा है। तीनों ही नेता अलग-अलग स्थानों से ओडिशा के लिए रवाना हो गए।

मंत्री विश्वास सारंग इंदौर में सूचना मिलने के बाद ओडिशा के लिए रवाना हुए जबकि आलोक शर्मा दिल्ली में थे और वहीं से ओडिशा जा रहे हैं। वहीं बीजेपी के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी व वर्तमान में प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर भोपाल से ओडिशा के लिए रवाना हुए हैं। ये

तीनों ही आज रात में ओडिशा पहुंचकर केंद्र के निर्देशों के मुताबिक शपथ की तैयारियों का काम कराएंगे, और केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट करेंगे।

ओडिसा में इस बार बीजेपी को 147 सीट वाली ओडिशा विधानसभा में 78 सीट पर जीत मिली है। बीजेपी यहां पहली बार सरकार बनाने जा रही है। भाजपा ने जीत के बाद 5 बार के मुख्यमंत्री रहे नवीन पटनायक को सत्ता से बाहर किया है। यहां बीजेडी को 51 सीटों पर और कांग्रेस को 14 विधानसभा सीटों पर जीत मिली है। बीजेपी की तरफ से अभी सीएम फेस की घोषणा नहीं हुई है।

धर्मेंद्र प्रधान बड़े दावेदार

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ओडिशा के संबलपुर से सांसद हैं। सीएम पद के लिए उनके दावेदारी सबसे अधिक है। ओडिशा अस्मिता अभियान की अगुवाई उन्होंने ही की थी। वह 10 साल तक केंद्र में मंत्री रहे हैं। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में उन्होंने पेट्रोलियम मंत्रालय संभाला था। उन्होंने अपना राजनीतिक सफर साल 2000 में विधायक के तौर पर शुरू किया था।

2004 में वह ओडिशा के देवगढ़ से सांसद बने। 2009 में वह पल्लाहारा से विधानसभा चुनाव हार गए। उसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद बने। बिहार, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड और कर्नाटक में चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

*स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।***

नपा ने कुएं और बावड़ी की सफाई-कराई

अनोखा तीर, हरदा। जल-गंगा सर्वधन अभियान अंतर्गत नगर के वार्ड 35 में स्थित पुराने कुए और बावड़ी की साफ-सफाई कराई गई। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती कमेड़िया ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा चलाएं जा रहे जल गंगा अभियान अंतर्गत में नगर पालिका द्वारा जनसहयोग से वार्ड कुए और बावड़ी की सफाई-कराई गई। साथ ही नागरिकों से अपील की कि हरदा नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने में नपा का सहयोग करें। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती कमेडिया, मुख्य नगर पालिका आधिकारी कमलेश पटीदार, नगर पालिका उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, सांसद प्रतिनिधि राजू कमेडिया, सुनील गीते, सुनील बघेला, चंद्रशेखर रघुवंशी, मोहन तिवारी, राधेश्याम खले, रामनाथ गौर एवं जनप्रतिनिधि, नागरिकगण उपस्थित रहे।

न्यूज ट्रेक

अभय का राष्ट्रीय ट्रेकिंग कैंप में चयन

अनोखा तीर, टिमरनी। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स अभय कौशल का राष्ट्रीय ट्रेकिंग कैम्प लिए चयन हुआ है। एनसीसी

अधिकारी केपी नागरे ने बताया कि यह कैंप 9 जून से 16 जून तक मध्यप्रदेश के अमरकंटक में संचालित होगा। इस कैंप में भारत के विभिन्न राज्यों से कैडेट्स आएंगे। इस तरह के कैंपों का आयोजन का मुख्य उद्देश्य अलग अलग राज्यों से आए कैडेट्स एक दूसरे के राज्यों की संस्कृति, भौगोलिक एवं साहित्यिक सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सके और साथ कैडेट्स को नदियों के किनारे और पहाड़ों के रास्ते पैदल मार्च कराया जाता है। यह कैम्प एडवेंचर से भरपूर रहता है। जिसमे उन्हें उस राज्य प्रकृति सम्पदा, प्राचीन मंदिर, नदियां, पर्वत, वन आदि को जानने का अवसर प्रदान होता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.जेके जैन, छात्र एनसीसी अधिकारी दुर्गेशनंदिनी अग्रवाल एवं महाविद्यालय स्टाफ ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

जल गंगा संवर्धन अभियान

अनोखा तीर, करताना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरदा कलेक्टर के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड टिमरनी नवांकुर संस्था द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पर्यावरण संगोष्ठी, जलस्त्रोत संरक्षण, स्वच्छता पर कार्यक्रम किए जा रहे हैं। आज ग्राम पंचायत गुल्लास के ग्राम जलोदा में विकासखंड समन्वयक अनुपम भारद्वाज के

मार्गदर्शन में पर्यावरण संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर प्राकृतिक जल स्त्रोत बावड़ी, तालाब, नदी, कुआं आदि स्थानों की साफ सफाई, रख-रखाव बनाए रखने के लिए श्रमदान किया। जिससे हमारे ग्राम, क्षेत्र में जल आपूर्ति पर नियंत्रण रखा जा सके। आने वाली पीढ़ि को जल संकट का सामना ना करना पड़े। इसके साथ खाली पड़ी जमीन पर अधिक से अधिक पौधारोपण किया। ताकि हमारा वातावरण शुद्ध, तापमान नियंत्रण रहे। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता ललित मालवीय, पंचायत सचिव मोहन, प्रस्फुटन समिति सदस्य नीलेश, शिक्षक जयंत राजपूत व ग्रामीण उपस्थित रहे।

गांवों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने होगा सर्वे

अनोखा तीर, सोडलपुर। जिले के गांवों में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने बीआरसी कार्यालय टिमरनी में प्रधान पाठकों की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बीआरसी नरेन्द्र शाह द्वारा की गई। इसमें स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास एवं शिक्षा विभाग द्वारा गांवों का सर्वे किया

जाएगा। सर्वे के बाद कार्ययोजना के आधार पर मूलभूत आवश्यकताओं के लिए जिला प्रशासन के निर्देशन में कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। इसके लिए जिला कलेक्टर द्वारा ५० गांवों का चयन किया गया है। जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं शिक्षा में अभूतपूर्व सुधार के लिए विशेष प्रयासों से सम्पन्न कराना है। यह कार्य वनांचल क्षेत्र के ग्रामों में कराया जाना है। शिक्षा से वंचितो को मुख्यधारा में लाकर उनके जीवन स्तर में सुधार के प्रयास हैं। क्योंकि शिक्षा पाना हर बच्चे का जन्मसिद्ध अधिकार है।

बढ़ती जा रही आवारा मवेशी की संख्या, बारिश में सड़कों पर डालेंगे डेरा

अनोखा तीर, मसनगांव। गर्मी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा मवेशियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो आने वाले समय में बारिश के दौरान सड़कों पर डेरा डालेंगे। जिससे दुर्घटनाएं बढ़ जाएंगी। पशुपालकों द्वारा दुधारू पशुओं के दूध देना बंद करने के बाद आवारा छोड़ दिया जाता है, जो खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। वही रात्रि में यह आवारा मवेशी सड़क पर डेरा जमा लेते हैं। वाहनों की लाइट की चकाचौंध में कई मर्तबा सड़कों पर बैठे नजर

आते हैं। जिससे वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। वहीं मवेशियों को भी गंभीर चोट पहुंचती है। पिछले वर्षों के दौरान देखा जाए तो कई दुर्घटना मवेशियों के कारण हुई है। प्रदेश सरकार के द्वारा मवेशियों के आवारा घूमने पर प्रतिबंध लगाया गया था, जिसके लिए जिला कलेक्टर को जिम्मेदारी दी गई थी, परंतु परिणाम आशानुरुप नहीं निकले। क्योंकि जिला प्रशासन के द्वारा कठोर कार्यवाही न करने से पशुपालक मवेशीयो को आवारा छोड़ रहे हैं, जबकी सभी पालने वाले पशुओं के उपर लगाये गये टेग को मालिक के आधार नंबर से जोड़कर रखा है। इसके बावजूद पशु पलकों पर कार्रवाई न होने से आए दिन आवारा मवेशियों की संख्या में इजाफा हो रहा है, जो किसानों के लिए तो परेशानी बने हुए हैं, वहीं वाहन चालकों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान

जल स्रोतों की साफ-सफाई व सौंदर्यीकरण के कार्य लगातार जारी

अनोखा तीर, हरदा।

हरदा जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत जल स्रोतों की साफ सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य लगातार जारी है। कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में ग्रामीण व शहरीय क्षेत्र में जल स्त्रोतों की रिपेयरिंग, सौंदर्यीकरण और गहरीकरण के लिए ग्रामीणजन श्रमदान कर रहे हैं। शनिवार को जिले के ग्राम उन्दराकछ में ग्रामीणों ने श्रमदान कर नाले की साफ सफाई की। इसी तरह ग्राम बढ़झिरी और ग्राम पंचायत गहाल में सार्वजनिक कूप की साफ सफाई की गयी। ग्राम पंचायत कासरनी और निमाचाखुर्द में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामसभा में जल संग्रहण और संवर्धन का महत्व समझाया गया और जल स्त्रोतों की साफ सफाई और गहरीकरण के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। ग्राम पंचायत रुंदलाय में अमृत सरोवर की साफ सफाई कराई गयी। इसके अलावा ग्राम पंचायत पाटियाकुआं में पुरानी बावड़ी की साफ सफाई में ग्रामीणों ने श्रमदान किया। ग्राम बांसपानी मे तालाब गहरीकरण मे ग्रामीणों ने श्रमदान किया। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत हरदा जिले के शहरी क्षेत्र में भी जलस्त्रोत के आसपास साफ सफाई और गहरीकरण का कार्य लगातार जारी है। शनिवार को नगर पालिका द्वारा हरदा शहर के अजनाल नदी के चांदनी घाट की साफ सफाई कराई गयी। इसके अलावा टिमरनी नगर के मंडीकुआं, तमोली कुआं, शक्ति माता कुआं, चित्ताला कुआं की साफ सफाई के लिए नागरिकों ने श्रमदान किया। सिराली नगर में हैंडपंपों का रंग रोगन कर उनकी मरम्मत कराई गई।

नवीन सत्र हेतु शिक्षकों की बैठक संपन्न

स्कूल परिसर में पर्यावरण संरक्षण हेतु किया पौधारोपण

अनोखा तीर, हंडिया। नवीन सत्र तैयारी हेतु संकुल केंद्र हंडिया के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बैठक का आयोजन रखा गया। जिसमें संकुल केंद्र हंडिया अंतर्गत समस्त शिक्षकों की उपस्थिति में नवीन सत्र हेतु बच्चों का ठहराव, साफ सफाई एवं पाठ्यपुस्तक वितरण नामांकन तथा आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए भवन छत मरम्मत कार्य सहित बच्चों की गुणवत्ता संबंधी तैयारी हेतु मुख्य बातें शिक्षकों को बैठक में जन शिक्षक एवं संकुल प्राचार्य द्वारा बताई गई। इसी के साथ नारायण नायरे बीआरसी हरदा द्वारा बच्चों की गुणवत्ता के साथ शिक्षक उपस्थित पर जोर दिया गया।

स्कूलों में भयमुक्त वातावरण में हो

पढ़ाई- कक्षा में भयमुक्त वातावरण बनाने हेतु समस्त बिंदुओं पर श्री जाटव जिला परियोजना समन्वयक हरदा द्वारा सभी को समझाइए दी गई।

स्कूल परिसर में किया वृक्षारोपण- जिला शिक्षा अधिकारी बलवंत सिंह पटेल द्वारा बच्चों की गुणवत्ता के साथ-साथ शिक्षक उपस्थित एवं बच्चों को कक्षा के अनुरूप ज्ञान होना ही शिक्षा का सही उद्देश्य है, इस बात पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात पर्यावरण संरक्षण हेतु विद्यालय में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवप्रसाद माल्या द्वारा किया गया एवं आभार संकुल प्राचार्य श्रीमती सीमा ओंकार द्वारा किया गया। बैठक में बलवंत सिंह पटेल जिला शिक्षा अधिकारी हरदा, जाटव जिला परियोजना समन्वयक हरदा, नारायण नायरे बीआरसी हरदा संकुल प्राचार्य, श्रीमती सीमा ओंकार जन शिक्षक, अनूप शर्मा, इदरीश कुरैशी के साथ समस्त शिक्षकों की उपस्थिति रही।

भिलाला समाज की बैठक आज

अनोखा तीर, हरदा। शहर की जय शक्ति होम कॉलोनी स्थित राजेश वर्मा के निवास पर आज दोपहर 2 बजे भिलाला समाज की महत्वपूर्ण बैठक रखी गई है। जिसमें हरदा विकासखंड की स्थानीय समिति का गठन सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने सभी सामाजिक बंधुओं एवं तहसील स्तर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

हनुमान मंदिर की दानपेटी से 12 हजार रुपए चोरी

अनोखा तीर, खंडवा। भगवानपुरा के हनुमान मंदिर की दानपेटी तोडक़र कोई 12 हजार रुपए के लगभग चुरा ले गया। गांव के लोगों ने रिपोर्ट कराई। मंदिर की दीवार पर दानपेटी लगी थी। इसी तरह छैगांवमाखन के बरूड़ में रूखसात पति सलीम मंसूरी के बरूड़ स्थित घर से चोर 55 हजार नगद एवं 65 हजार के जेवर चोरी हो गए। चोरों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे रुपए व जेवर चुरा लिए।

गरीबों का निवाला हड़पने वाले 7 आरोपियों पर प्रकरण

अनोखा तीर, खंडवा। गरीबों के निवाले की कालाबाजारी फिर पकड़ाई है। इसमें तरीके से 7 आरोपी सांठगांठ कर माल की अफरातफरी कर रहे थे। छैगांवमाखन पुलिस ने नागरिक आपूर्ति विभाग वालों के आवेदन पर कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक पंकज पिता प्रकाशचंद जायसवाल नि. खरगोन रोड देशगांव, नरगिस बी चौहान पति आजम चौहान नि. गंजबाजार खंडवा, आजम चौहान पिता कासम चौहान नि. गंजबाजार खंडवा, इरफान शेख पिता शेख रफीक नि. छोटी नदी के पास खंडवा के नाम लिए गए हैं। देशगांव मां मरियम चर्च के सामने गोडाऊन पर कार्रवाई की।

इसमें आरोपी पंकज पिता प्रकाशचंद जायसवाल नि. खरगोन रोड देशगांव व्दारा अपने इंदौर रोड ग्राम देशगांव जिला खंडवा स्थित अपने गोदाम में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के गेहूं का अवैध भण्डारण किया जाना पाया गया है। गेहूं का परिवहन नागरिक आपूर्ति निगम के एचएलआरटी परिवहनकर्ता भाटी ट्रांसपोर्ट के द्वारा किया जाता है। जिसकी प्रोप्राइटर नरगिस बी पति आजम चौहान है। आजम चौहान तथा इरफान शेख भाटी ट्रांसपोर्ट के प्रतिनिधि हैं। 7 उक्त आरोपियों द्वारा सांठगांठ कर शासकीय योजना के राशन की अवैध रूप से हेराफेरी की जाती है। थाना छैगांवमाखन पर अपराध धारा 3,7,8,9 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

प्राचीन जलस्रोतों का कर रहे जीर्णोद्धार

अनोखा तीर, रहटगांव।

रहटगांव तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पाटिया कुआं में -जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम गोहटी की प्राचीन बावड़ी पर ग्राम पंचायत एवं ग्राम वासियों के सहयोग से श्रमदान कर बावड़ी का जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। जिससे कि आगामी समय में वर्षा ऋतु के दौरान इस बावड़ी में पानी एकत्रित हो और ग्राम का जल स्तर बढाने में उपयोगी सिद्ध हो। उक्त कार्य होने से ग्राम के युवाओं में काफी उत्साह है। क्योंकि ये युवा बहुत दिनों से इस बाबडी के जीर्णोद्धार के लिए प्रयासरत थे, ग्राम के समाजसेवी भोजूसिंह धुर्वे, युवा नानकराम ने म. प्र. शासन द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से सतत किए जा रहे जल संरक्षण संबंधी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जलसंरक्षण एवं संवर्धन के इन कार्यों से तथा प्राचीन जलस्त्रोतों के उचित संरक्षण एवं रखरखाव से निश्चित ही ग्राम के जलस्तर में वृद्धि होगी। ओर हम सभी ग्रामवासी निरतंर श्रमदान कर अपने ग्राम का जलस्तर बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

संपादकीय

तीसरा कार्यकाल

9 जून को नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं और उन्हें आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय दल का नेता चुन लिया गया है। नेता चुने जाते ही नरेंद्र मोदी ने उचित ही आश्वस्त किया कि वह अपनी अगली सरकार के सभी फैसलों में सर्वसम्मति सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। वह पहले भी गठबंधन की सरकार चला चुके हैं, मगर इस बार गठबंधन पर उनकी निर्भरता है। ऐसे में, सहयोगी दलों के साथ मिलकर चलना इस कार्यकाल की मांग है। यह अपने आप में सुखद है कि उनकी आगामी सरकार में दक्षिण भारत से चंद्रबाबू नायडू का मजबूत प्रतिनिधित्व रहेगा, तो उत्तर भारत से सबसे बड़े सहयोगी नीतीश कुमार रहेंगे। नायडू और नीतीश कुमार, दोनों को विश्वास में लेते हुए अगर केंद्र सरकार काम करती है, तो जाहिर है, विपक्ष को भी उसे अस्थिर करने के ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। विपक्ष तो इसी ताक में हमेशा रहेगा कि एडीए में फूट पड़े और भाजपा कमजोर हो। खैर, अब यह भारतीय इतिहास में दर्ज हो गया है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने संसदीय दल के नेता के रूप में नरेंद्र मोदी का नाम प्रस्तावित किया और उनके प्रस्ताव का अमित शाह, तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, बिहार के मुख्यमंत्री व जद-यू प्रमुख नीतीश कुमार और अन्य नेताओं ने समर्थन किया। प्रधानमंत्री के नाम पर गठबंधन में सर्वसम्मति है और अब उनके भावी कार्यकाल की ओर सबकी निगाह रहने वाली है। नरेंद्र मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल का महत्व अच्छी तरह समझ रहे हैं और इसी रोशनी में उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगले दशक में भारत के लिए उनका व्यक्तिगत सपना सुशासन, विकास और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुधार पर केंद्रित होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि लोगों के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप कम करने से हमारा लोकतंत्र ही मजबूत होगा। वाकई अपने देश में अभी भी कोई नई पहल या किसी नए उद्यम की स्थापना आसान नहीं है। लोगों को तरह-तरह से परेशान करने वाली प्रक्रियाएं हैं, पुलिस के पास जरूरत से ज्यादा शक्तियां हैं, अत- नई सरकार अगर सामान्य जन-जीवन में सरकारी हस्तक्षेप को न्यूनतम कर सकी, तो यह एक बड़ा बदलाव होगा। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि हम विकास, सुशासन और समावेशी भागीदारी की एक नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। वाकई, इसकी इस देश को जरूरत है। गौर करने की बात है कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने संविधान को अपने माथे से लगाया, उनका यह कृत्य दरअसल विपक्ष को दिया गया जवाब था। चुनाव प्रचार के दौरान यह बार-बार कहा गया था कि भाजपा सत्ता में आई, तो संविधान बदल देगी। नरेंद्र मोदी का संबोधन एनडीए और भाजपा, दोनों को ही बल प्रदान करेगा। आज मिलकर चलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के संबोधन से साफ लगता है कि आगामी दिनों में समाज में परस्पर कटुता कम होगी।

गरीबों को आर्थिक-सामाजिक रूप से ऊपर लाया जाएगा और अमीरों को देश के विकास व रोजगार के प्रति जवाबदेह बनाया जाएगा। भारत जैसे विविधता भरे समाज में तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बनने की कामयाबी किसी चमत्कार से कम नहीं है, इस चमत्कार को लोगों के जीवन में सकारात्मक भाव से उतरना चाहिए। जनादेश ने बता दिया है कि लोगों को अभी भी प्रधानमंत्री से बहुत उम्मीदे हैं और उस पर खरा उतरने के अलावा कोई रास्ता नहीं है।

अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता हैं

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है।

(ललित गर्ग)

इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ईवीएम और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था।

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छतीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए।

इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ईवीएम और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र-विरोधी षड़यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है।

इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है।

देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी भी गठबंधन सरकार की चुनौतियों से जूझते रहे। लेकिन मोदी की स्थितियां भिन्न है, वे राजनीति के धुंरधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा विश्वास है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी।

वैसे भी भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत कार्य करने के कारण वह ऐसी सरकार के संचालन के तौर-तरीकों से अवगत हैं, लेकिन स्वयं उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश-विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी। उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि एवं कौशल है।

बंगाल में मोदी-शाह गलतियां करते रहे और ममता बनर्जी उनका लाभ उठाती रहीं

लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ जिस स्तर की नाराजगी देखी जा रही थी। जिस तरह ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे। जिस प्रकार संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था। जिस प्रकार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था। जिस प्रकार ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था।

(नीरज कुमार दुबे)

यह चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तरह इस बार के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा पूरी तरह हवा में ही रही। भाजपा ने मीडिया में हवा बना ली लेकिन जमीनी स्थिति का आकलन नहीं कर पाई।

लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ जिस स्तर की नाराजगी देखी जा रही थी। जिस तरह ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे। जिस प्रकार संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था। जिस प्रकार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था। जिस प्रकार ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था। जिस प्रकार तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था। जिस प्रकार मीडिया की सुर्खियों में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ समाचार रिपोर्टें छाई हुई थीं। जिस प्रकार सभी एक्जिट पोलों ने तृणमूल कांग्रेस को भारी नुकसान की संभावना जताई थी, उस सबको देखते हुए कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव परिणाम बेहद अप्रत्याशित हैं। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह 30 सीटों का लक्ष्य लेकर अपना चुनाव अभियान आगे बढ़ा रहे थे लेकिन उसका आधा भी हासिल नहीं कर पाये।

यह चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तरह इस बार के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा पूरी तरह हवा में ही रही। भाजपा ने मीडिया में हवा बना ली लेकिन जमीनी स्थिति का आकलन नहीं कर पाई। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 18 सीटें और 2021 के विधानसभा चुनावों में 75 सीटें तो जीत लीं लेकिन पार्टी के नेता जमीन पर लोगों से जुड़ने की बजाय आपस में ही उलझे रहे। दिलीप घोष जैसे वरिष्ठ नेता को लगता रहा कि सुकांत मजूमदार जैसे युवा नेता को पार्टी की कमान क्यों सौंप दी गयी है? कई नेताओं को यह लगता रहा कि तृणमूल कांग्रेस से आये शुभेंदु अधिकारी को विधानसभा में विपक्ष के नेता जैसा अहम पद तथा तमाम अन्य जिम्मेदारियां क्यों सौंप दी गयी हैं? देखा जाये बंगाल में भाजपा के पुराने और नये नेताओं के बीच सामंजस्य कभी बन ही नहीं पाया और इस दूरी को पार्टी का आलाकमान भी पाट नहीं पाया जिससे भाजपा को बड़ा नुकसान हो गया। इसके अलावा पार्टी का आलाकमान दिल्ली में बैठ कर बंगाल में पार्टी को चलाता रहा जिसका सीधा असर भाजपा के प्रदर्शन पर दिख रहा है।

इसके अलावा, भाजपा ने लोकसभा चुनावों से पहले सीएए के नियम अधिसूचित कर दिये, यही नहीं बंगाल में मतदान से पहले सीएए के तहत लोगों को नागरिकता भी प्रदान कर दी लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। जिन क्षेत्रों में भाजपा को सीएए का फायदा मिलने की उम्मीद थी वहां भी तृणमूल कांग्रेस जीत गयी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैलियों में अपार भीड़ तो उमड़ी लेकिन वह वोटों में परिवर्तित नहीं हो पाई तो इसका एक बड़ा कारण भाजपा की सांगठनिक कमजोरी भी है। भाजपा ने कहने को पार्टी महासचिव सुनील बंसल समेत तमाम

वरिष्ठ नेताओं को बंगाल में लगा रखा था लेकिन परिणाम दर्शा रहे हैं कि यह सभी नेता जनता की नब्ज नहीं पकड़ पाये। पिछले साल पश्चिम बंगाल में हुए पंचायत चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन उसके बावजूद पुरानी टीम को बरकरार रखा गया था। इसके अलावा, ममता बनर्जी जिस तरह सीएए और एनआरसी को लेकर लोगों के बीच भय का वातावरण बनाती रहीं उसकी भी काट भाजपा नहीं कर पाई।

देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि फाइटर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इस बार के चुनावों में भी उन्होंने ऐसा कई बार किया। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। उनके तमाम नेता भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में थे, भाजपा जैसी साधन संपन्न पार्टी से मुकाबला करना था, इसके बावजूद ममता ने किसी दल का सहयोग नहीं लिया और अपने बलबूते चुनाव प्रचार में उतर गयीं। चुनाव प्रचार की शुरुआत में ही उनको चोट भी लगी लेकिन इसकी परवाह किये बिना उन्होंने प्रचार में एड़ी चोटी का जोर लगा दिया और आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अजेय नेता की छवि उन्होंने तोड़ डाली। मोदी की गारंटी के साथ शुरू हुए भाजपा के प्रचार को ममता के वादों ने धो डाला और बंगाल की जनता ने दिखा दिया कि वह अपनी दीदी के साथ खड़ी है। इसके अलावा, इन परिणामों ने ममता बनर्जी की क्षेत्रीय नेता की छवि को तो पुख्ता किया ही है साथ ही राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका महत्व काफी बढ़ा दिया है।

ममता बनर्जी ने जब लोकसभा चुनावों के दौरान एकला चलो का फैसला किया था तब उनको इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने मनाने का प्रयास किया था लेकिन वह नहीं मानी थीं क्योंकि संभवतः उन्हें अपने कामकाज और चुनावी रणनीति पर भरोसा था। आखिरकार ममता का फैसला तब सही साबित हुआ जब लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आये। हम आपको बता दें कि इस बार तृणमूल कांग्रेस के खाते में 29 सीटें गयी हैं जबकि भाजपा के हाथ मात्र 12 सीटें लगी हैं और कांग्रेस को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा है जबकि वामपंथी दल एक बार फिर खाली हाथ रह गये हैं। यह परिणाम इस बात के भी संकेत दे रहे हैं कि आगामी बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान भी तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देना किसी भी दल के लिए आसान नहीं होगा। साथ ही इन परिणामों ने जनता के बीच यह संदेश भी दिया है कि तृणमूल कांग्रेस फिलहाल अजेय है।

दूसरी ओर, इस चुनाव परिणाम ने ममता बनर्जी के भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी का भी कद बढ़ाया है। चुनाव प्रचार के दौरान अभिषेक बनर्जी ने भी सघन चुनाव प्रचार किया था और ममता के एजेंडे को वह बंगाल में जिस तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं उससे वही टीएमसी प्रमुख के सही राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। चुनाव के दौरान अभिषेक बनर्जी और उनकी टीम जिस तरह भाजपा के आरोपों की काट तुरंत-तुरंत करती रही और जोरदार पलटवार करती रही उससे सोशल मीडिया पर खासकर तृणमूल कांग्रेस को बढ़त मिलती रही।

बहरहाल, इस चुनाव परिणाम का पूरा दोष मोदी-शाह या नड्डा पर नहीं डाला जा सकता। स्थानीय नेताओं को इस खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी खासकर शुभेंदु अधिकारी को। अधिकारी के भाजपा में आने से पहले पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में रिकॉर्ड जीत हासिल की थी और उसके बाद पंचायत चुनावों में भी कमाल दिखाया था।

नीतीश 'इंडिया ब्लॉक' के व्यवहार से अंदर तक दुखी थे

(आशुतोष कुमार पांडेय)

बिहार ही नहीं, देश की राजनीति में नीतीश कुमार के फैसले नजीर बनते रहे हैं। महिलाओं को पंचायत और राज्य सरकार की नौकरी में आरक्षण देने का मुद्दा हो। स्कूली छात्राओं को साइकिल वितरण का मुद्दा हो। नीतीश कुमार की कई योजनाओं को देश के अन्य राज्यों ने हूबहू स्वीकार किया। उसे अपने यहां लागू किया। नीतीश कुमार आज किंग मेकर की भूमिका में हैं। सवाल उठता है कि विपक्ष को गोलबंद करने वाले नीतीश आज उनसे अलग कैसे हुए?

राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अक्सर चर्चा में रहते हैं। और चर्चा का कारण भी खुद बनते हैं। हाल ही में नवादा की जनसभा में आत्म विह्वल हो कर पीएम नरेंद्र मोदी के पैर छूने की कोशिश की। आज सेंट्रल हाल में नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुनने

के दौरान दमदार तरीके से डटे रहे अपने आकर्षक संबोधन में पीएम का मान रखा और भावुकता भरे क्षण में एक बार फिर पैर छूने की कोशिश की। नीतीश कुमार का ये बड़प्पन है। वो प्रधानमंत्री को हमेशा अपनी विनम्रता से झुकने को मजबूर कर देते हैं। पीएम मोदी उतनी ही गर्मजोशी से उन्हें उठाकर गले लगाते हैं।

- **नीतीश का अपना फैसला:** दूसरी बार राजद के साथ सरकार बनाने और फिर एनडीए के साथ सरकार बनाने के बीच कई ऐसे भावुक क्षण आए। याद कीजिए मोतिहारी सेंट्रल यूनिवर्सिटी का संबोधन। जब वहां मौजूद भाजपाइयों के प्रति अद्भुत प्यार उमड़ा और कहते-कहते कह गए आपको हम नहीं भूल सकते। इस क्षण का प्रकटीकरण ही समझे, जब वे अतिरेक भाव के साथ कई बार बोल गए कि एनडीए 4000 पार करेगी। कभी वो ये भी कह बैठे कि अगला मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। याद कीजिए इस चुनाव के दौरान न जाने कितनी बार कह गए, कुछ दिन के लिए उधर चले गए, अब कभी भी नहीं जायेंगे, हमेशा साथ रहेंगे।
- **इंडिया गठबंधन से मोह भंग:** यह एक दौर था जब पीएम नरेंद्र मोदी से नाराज नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन को खड़ा करने में अपनी पूरी ताकत लगा दी। लेकिन इंडिया गठबंधन के पहले ही मीटिंग में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने राहुल गांधी को दुल्हा और शेष को बाराती कह कर नीतीश कुमार के मुहिम को झटका दे दिया। फिर राहुल गांधी ने ममता बनर्जी के हवाले से यह कह कर नीतीश कुमार को धोखा दिया कि वे नहीं चाहती हैं कि आपको कन्वीनर बनाया जाय। अंत तो बड़ा ही कड़वा हुआ, जब खड़गे साहब को ममता बनर्जी ने पीएम के रूप में नाम आगे कर दिया और लगे हाथ अरविंद केजरीवाल ने समर्थन भी कर दिया। यानी इंडिया गठबंधन में लालू यादव, राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल सब कुछ न कुछ षड्यंत्र रच रहे थे। ऐसे में ससम्मान एनडीए में बतौर सीएम के रूप में नीतीश कुमार की वापसी कहीं न कही नरेंद्र मोदी के प्रति समर्पण का भाव जगा गया।
- **समय को पहचानते हैं नीतीश:** अगर वर्ष 2024 लोकसभा की बात करें तो उन्हें इस बात का एहसास तो हो गया होगा कि भाजपा के साथ रहने के कारण 16 में से 12 लोकसभा सीट जीत पाए। इंडिया गठबंधन के साथ रहते तो जिस तरह से लालू प्रसाद 23 लोकसभा सीट लड़ कर 4 पर जीते। उसी अनुपात में वे भी जीतते। वर्ष 2014 लोकसभा चुनाव नीतीश कुमार अकेले लड़ कर देख चुके हैं। केवल दो लोकसभा सीटें जीती। एक पूर्णिया से संतोष कुशवाहा और दूसरा नालंदा से कौशलेंद्र। लेकिन इस दो सीट वाली जदयू को भाजपा नेतृत्व ने नरेंद्र मोदी के कहने पर अपनी पांच सीटिंग छोड़ कर 16 लोकसभा सीट पर लड़ने का आमंत्रण दिया। वर्ष 2020 के विधानसभा में 43 विधायक रहने के बाद भी उन्हें सीएम पद दे कर सम्मान किया। और तो और लोकसभा परिणाम आने के बाद भाजपा नेतृत्व ने वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव का सीएम चेहरा भी घोषित कर दिया।
- **कई मसलों का समाधान भी यहां है:** नीतीश कुमार लगातार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा हेतु प्रयासरत रहे। कई कार्यक्रम चलाए। यह उम्मीद केंद्र सरकार से कर सकते हैं। और यह कोशिश भी होगी।

अधिवक्ताओं ने एसडीएम को दिया पत्र, गणगौर घाट स्थित नदी में पसरी गंदगी की हो सफाई

अनोखा तीर,बड़वाह। स्थानीय अधिवक्ता सुनील चवरे, राजेश पवार, नरेंद्र यादव सहित अन्य अधिवक्तागण ने एसडीएम प्रताप सिंह अगास्या को एक पत्र सौंपा। जिसने अधिवक्ताओं ने नगर के गणगौर घाट स्थित पडाली नदी में पसरी गंदगी को बारिश के पूर्व साफ स्वच्छ करवाने का निवेदन किया। अधिवक्ताओं का कहना है की वर्षा ऋतु प्रारंभ होने को है और इस बारिश से नदी का जल स्तर काफी हद तक बढ़ेगा। जिसके कारण नदी और आसपास फैली गंदगी मां नर्मदा नदी के शुद्ध जल में मिलकर उसे प्रदूषित करेगी। जबकि कल से श्री सुंदरधाम आश्रम में 76वा विष्णु महायज्ञ और आज से कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा होना है। इन दोनो आयोजन में स्थानीय और बाहरी क्षेत्रो के हजारों भक्तों की आवाजाही रहेगी। वही सैकड़ों भक्त नर्मदा स्नान करने आएंगे। ऐसी स्थिति में नर्मदा नदी में गंदगी जाने से पहले उस गंदगी को साफ स्वच्छ किया जाना अतिआवश्यक है। उल्लेखनीय है की एसडीएम श्री अगास्या पत्र मिलते ही नपा सीएमओ को दूरभाष पर संपर्क कर शीघ्र ही गणगौर घाट स्थित नदी की साफ सफाई का करने के निर्देश दिए। हालांकी अधिवक्ताओं ने उक्त आवेदन की एक प्रति नगरपालिका सीएमओ को भी देकर समस्या से अवगत करवाया है।

गिट्टी का अवैध परिवहन करते डम्पर व ट्राली जब्त

अनोखा तीर,खरगोन। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवही की जा रही है। इसी कड़ी में ६ जून को खनिज निरीक्षक श्रीमती प्रियंका अजनार ने सनावद तहसील के ग्राम रावेरखेडी में खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए वाहन डम्पर को जब्त किया है। डम्पर का जब्त कर पुलिस थाना बेडिया की अभिरक्षा मे खडा किया गया। साथ ही खनिज रेत का अवैध परिवहन करते ट्रेक्टर ट्राली को जब्त कर पुलिस चौकी खलटका की अभिरक्षा में खड़ा किया गया। खनिज विभाग द्वारा जिले में खजिन के अवैध उत्खनन व परिवहन पर ऐसी कार्यवाहियां सतत जारी रहेगी।

न्यूज ट्रेक

महिला कांग्रेस ने गांधी भवन प्रांगण में किया वृक्षारोपण

अनोखा तीर, खंडवा। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में महिला कांग्रेस द्वारा गांधी भवन प्रांगण में वृक्षारोपण कर किया गया। शहर अध्यक्ष महिला कांग्रेस हेमलता पालीवाल ने बताया कि महिला कांग्रेस द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से गांधी भवन प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम कर जास्मिन, चंपा, कनेर,

अशोक एवं तुलसी के पौधे भी महिलाओं को भेंट किए गए। इस अवसर पर कांग्रेस की रीति नीति से प्रभावित होकर सुशीला जोशी एवं यज्ञवती वर्मा ने महिला कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अजय ओझा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता सकरगाए, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष रचना तिवारी, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमलता पालीवाल, ब्लॉक अध्यक्ष देवबाला शर्मा, मीना वर्मा, अर्चना बलराम वर्मा, कामिनी मंडलोई, मुमताज बी, सुनीता रायकवार, रूपा कास्डेकर, मीनू मंडलोई, सुधा पालीवाल, भाग्यश्री वर्मा, मीरा सोनी, मंजुला पाराशर, कंचन दशोरे, जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन, आलोक रावत, अय्यूब लाला आदि उपस्थित रहे।

शहर में नल चोर गिरोह सक्रिय

अनोखा तीर, खंडवा। शहर में नल चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि उन्हें किसी का भी डर नहीं है और वह दिन दहाड़े ही घरों के नलों के पाइप को बड़ी आसानी से साफ कर जाते हैं। शहर के रामगंज वार्ड में शीतला माता गली

जहां एक ही सप्ताह में दो बार नल चोर ने एक ही घर दो टारगेट बनाकर चोरी की। रहवासी तनीश गुप्ता ने बताया कि पहली बार में वह नल के पाइप को काटकर ले गया था। दूसरी बार फिर शुक्रवार की रात 9 बजे आया और बाजू से लगे नल के पाइप को तोडक़र जाने लगा। इतने में पड़ोसी ने आवाज सुनी तो वह चिल्लाए पकड़े जाने के डर से नल चोर ने तोड़े हुए नल के पाइप को वहीं छोड़ा और भाग निकला। उस नल चोर की उम्र लगभग सत्रह से अठारह वर्ष बताई जा रही है। इस प्रकार की घटना पहले भी अन्य वार्डो में कई बार हो चुकी है परंतु अभी तक वह नल चोर पकड़ में नहीं आया।

जल गंगा संवर्धन अभियानः सुक्ता डैम की नर्सरी में किया पौधारोपण

अनोखा तीर, खंडवा। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत न सिर्फ शहर के कुएं, बावड़ी, तालाबों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्वार किया जा रहा है बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की सतत उपस्थिति बने रहने के उद्देश्य से वृक्षारोपण भी किया जा रहा है। शनिवार को निगम प्रशासन द्वारा सुक्ता डैम के समीप नर्सरी क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर वाटर प्लांट का भ्रमण किया

गया। आयुक्त श्री दुबे ने कहा कि कैसे हमारा जीवन प्रकृति पर पूरी तरह निर्भर है, कैसे पेड़ पौधे प्रकाश संश्लेषण से पूरी खाद्य श्रृंखला संभाले हुए हैं। इसी संदेश के साथ समस्त नगरवासियों से अपील भी कि कम से कम अपने जन्मदिवस पर आप जितने वर्ष के हुए हैं उतने पौधे अवश्य लगाएं। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, निगमाध्यक्ष अनिल विश्वकमा, राजेश यादव, सोमनाथ काले, धर्मेंद्र पालीवाल, नीतीश बजाज, राजेश तिवारी, सुनील जैन, आयुक्त नीलेश दुबे, उपायुक्त सचिन सितोले, जाकिर जाफरी, प्रदीप जैन एवं निगम के गौरव खरे, भूपेंद्र सिंह बिसेन, संजय शुक्ला, गोपाल चौहान, संतोष पांडे, राजेश गुप्ता, प्रशांत पचौरी, हरि मिश्रा, इंदौर मंडलोई, मनोज वैष्णव, दिलीप दशोरे आदि अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

हायर सेकंडरी पूरक परीक्षा में 1581 परीक्षार्थी हुए शामिल

अनोखा तीर, खंडवा। हायर सेकंडरी पूरक परीक्षा वर्ष 2024 शनिवार को खंडवा जिले के 7 परीक्षा केन्द्रों पर संपन्न हुई। समन्वयक संस्था श्री रा.ना. शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा के प्राचार्य भूपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार को संपन्न हुई हायर सेकंडरी सभी विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 1812 परीक्षार्थियों में से 1581 परीक्षार्थी उपस्थित व 231 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। श्री चौहान ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी के मार्गदर्शन में गठित निरीक्षण दलों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया गया, नकल प्रकरण की संख्या निरंक रही।

स्वास्थ्य संस्थाओं पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो

- जावर व मूंदी में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक दिए निर्देश

अनोखा तीर, खंडवा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने शनिवार को विकासखण्ड खंडवा के जावर व विकासखण्ड पुनासा के मूंदी ब्लॉक के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में समस्त मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, एएनएम एवं आशा सहयोगी उपस्थित थे। बैठक में डॉ. जुगतावत ने क्षय, एड्स, कुष्ठ उन्मूलन, अंधत्व निवारण, टीकाकरण राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम व अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा कर दिये गए लक्ष्य अनुसार उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आगामी 23 जून को पल्स पोलियो अभियान के तहत् जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई जाएगी। साथ ही 25 जून से दस्तक अभियान के प्रथम चरण तहत् जन्म से 5 वर्ष तक

के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। डॉ. जुगतावत ने बीएमओ को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य संस्थाओं पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो, किसी प्रकार की कोई शिकायत ना हो, मरीजों व उनके परिजनों से मधुर व्यवहार कर मरीजों की काउंसलिंग की जाए। माह जून को मलेरिया निरोधक माह के रुप में मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न जागरुकता गतिविधियां आयोजित कर जनसमुदाय को मलेरिया व डेंगू के बचाव संबंधी समझाइश दी जाए। वर्तमान में वर्षा ऋतु का प्रारंभ होने जा रहा है, जिसको देखते हुए स्वास्थ्य संस्था में दवाईयों की उपलब्धता पर्याप्त हो यह भी सुनिश्चित करें। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामदास बाकोरिया, डॉ. रश्मि कौशल, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अनिल तंतवार, मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनके सेठिया, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकृष्ण इंगला, जिला माध्यम एवं विस्तार अधिकारी व्हीएस मण्डलोई, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, मलेरिया अधिकारी करण सिंह भूरिया व अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

पंडित प्रदीप मिश्रा से मिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स प्रतिनिधि मंडल

- बढ़ते तापमान को देखते पर्यावरण जागरूकता सन्देश देने का किया निवेदन

अनोखा तीर, खंडवा।

ओम्कारेश्वर में 9 से आयोजित पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के पूर्व खंडवा का प्रतिनिधि मंडल ओम्कारेश्वर में मिश्रा जी से मिला। नारायण बाहेती व सुनील जैन ने बताया कि कथा की तैयारी को लेकर खंडवा में बैठकों का आयोजन कर सुझाव लिए गए। मान्धाता विधायक नारायण पटेल के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल के गुरमीतसिंह उबेजा, सुनील बंसल, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुनील जैन, नारायण बाहेती, अनिल चौधरी, प्रेम नारायण तिवारी ने अति व्यस्तता के बावजूद खंडवा जिले के ओम्कारेश्वर में

कथा आयोजन करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शुभकामनाएं दी। खंडवा के व्यापारियों व दानदाताओं की ओर से भंडारे हेतु सामग्री भेंट की गई। प्रतिनिधि मंडल ने दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए तापमान को देखते हुए श्री मिश्रा जी से कहा कि पूरे भारतवर्ष में आपके लाखो भक्त आपके वचनों का पालन करते है।आप अपनी कथा में यदि सभी भक्तों से पौधारोपण की बात कहेंगे तो लाखों की संख्या में भक्त पौधे रोपण कर उनका संरक्षण भी करेंगे। जिससे आने वाले समय मे तापमान में भी गिरावट आएगी। श्री मिश्रा जी ने कहा कि पौधरोपण व उसका संरक्षण आज की प्रमुख आवश्यकता है।

छह माह से गुम नाबालिग लड़की महाराष्ट्र में मिली

अनोखा तीर, खंडवा। जिले में गुम इंसान एवं नाबालिग बालिका की बरामदगी करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एसपी मनोज कुमार राय निर्देशन में इस अभियान के तहत पुलिस सक्रिय होकर कार्य कर रही है। शनिवार को पंधाना थाना पुलिस ने छह माह से गुम एक नाबालिग लडक़ी को नासिक महाराष्ट्र से दस्तयाब कर सकुशल परिवार के सुपुर्द किया। थाना प्रभारी पंधाना निरीक्षक विकाश खिची के अनुसार 15 नवंबर 2023 को फरियादिया निवासी दीवाल थाना पंधाना ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि उसकी नाबालिग लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना पंधाना में अपराध क्रमांक 650/23 धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपहृता की जानकारी न होने पर उसकी तलाश हेतु 9 मार्च 24 को पुलिस अधीक्षक द्वारा 5 हजार रुपए का ईनाम उद्घघोषित किया गया था। अपहृता के संबंध में जानकारी प्राप्त होने पर सउनि अमरसिंह जमरे, प्रआर पवन नायक, मआर माधुरी को अपहृता की तलाश एवं दस्तयाबी हेतु नासिक महाराष्ट्र भेज गया था।

भूतनीखेड़ा में खंडस्तरीय जल सम्मेलन, निकली कलश यात्रा

अनोखा तीर, खंडवा। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि शनिवार को पंधाना विधायक छाया मोरे, अध्यक्ष जनपद पंचायत पंधाना सुमिबाई काले एवं सदस्य जिला पंचायत खंडवा जितेन्द्र भाटे की उपस्थिति में जनपद पंचायत पंधाना के ग्राम भूतनीखेड़ा में खण्ड स्तरीय जल सम्मेलन एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत ढोरानी, ग्राम पंचायत रामपुरा कलां, ग्राम नवलगांव, ग्राम संगवाडा, ग्राम पंचायत झागरिया मॉल, गड़बड़ी माल, ग्राम

पंचायत सुतारखेडा में नाला विस्तारीकरण का कार्य कराया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत टाकली कलां एवं ग्राम पंचायत रांजनी में तालाब विस्तारीकरण का कार्य कराया गया। इस अभियान के तहत ग्राम खारवा एवं ग्राम गोबरिया ग्राम पंचायत संगवाडा में स्टाप डेम के जीर्णोद्धार का कार्य, ग्राम सोनगीर में चेकडेम निर्माण, ग्राम पंचायत चिढालिया में नवीन तालाब निर्माण का कार्य कराया गया। इसके अलावा ग्राम बोरीसराय एवं ग्राम देवल्दी में सावर्जनिक स्थलों की साफ सफाई की गई। ग्राम पंचायत मलगांव में पोखर तालाब क्षमता विस्तार का कार्य एवं ग्राम पंचायत नामापुर में गाद निकासी एवं कूप गहरीकरण का कार्य किया गया। इस अभियान में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय, विधायक कंचन बाई तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, पंधाना विधायक छाया मोरे, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी स्थानीय स्तर पर कार्यक्रमों में सहभागिता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा समस्त कार्यक्रमों में स्थानीय सामाजिक संस्था, एनजीओ एवं अन्य समाजसेवी संस्थाओं का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है।

समर कैंप में पुलिस परिवार के बच्चे और महिलाएं उत्साह से ले रहे भाग

अनोखा तीर, खंडवा।

पुलिस लाइन खंडवा के उमंग गार्डन में पुलिस परिवार के बालक बालिकाओं की छुपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने व उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास कर खेल प्रतिभाओं को निखारने के साथ ही खेल गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओ की भागीदारी को प्रोत्साहित करने उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय द्वारा एक माह के लिए समर कैंप आयोजित किया है।

इस समर कैंप का शुभारंभ 17 मई को एसपी श्री राय ने किया था। 15 जून तक चलने वाले कैंप के दौरान 13 गतिविधियो का आयोजन किया जा रहा है। समर कैम्प कार्यक्रम की प्रभारी सूबेदार ज्योति सूर्यवंशी ने बताया कि समर कैम्प में आउटडोर गतिविधियों के रूप में बैडमिंटन, बालीवॉल, बास्केटबाल, कबड्डी, कराटे एवं योगा को शामिल किया गया है। इंडोर गतिविधियों के रूप मे पार्लर, मेंहदी, पेंटिंग, जुम्बा डांस, डांस, ऐक्टिंग एवं सिंगिंग को शामिल किया गया है।

उपरोक्त सभी गतिविधियों का आयोजन पुलिस लाइन खंडवा में किया जा रहा है, इसमें पुलिस लाइन के पुलिस परिवार के एवं रुचि रखने वाले पुलिस लाइन के बाहर के बच्चे भी प्रतिभागी के रूप मे भाग ले रहे हैं। समर कैम्प में प्रवेश निःशुल्क है। वर्तमान में समर कैम्प में पुलिस परिवार के लगभग 250 बच्चे एवं 100 महिलाएं सम्मिलित होकर समर कैम्प का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने पुलिस लाइन पहुंच कर समर कैम्प में भाग ले रहे खिलाडियों का परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक अरविन्द कुमार दांगी भी उपस्थित रहे जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देश दिया गया कि गर्मी को देखते हुए प्रतिभागियों/बच्चों को प्रतिदिन पानी, नीबू पानी, फल, स्प्राउट्स, बिस्किट्स आदि उपलब्ध कराए जाएं।

न्यूज ट्रेक

बाढ़ग्रस्त गांवों को लेकर हुई चर्चा, प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित

अनोखा तीर, नेमावर/खातेगांव। देवास जिले के नेमावर रेस्ट हाउस पर बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर एसडीएम प्रिया चंद्रावत की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसडीम खातेगांव श्रीमती प्रिया चंद्रावल ने कहा कि कि घाटों पर पर्याप्त व्यवस्था हो, बाढ़ ग्रस्त गावों में समय सीमा के पहले ही जरूरी सामग्रियां

पहुंचाई जाएं। साथ ही मोटर बोट नाव और जरूरतमंद सामग्री की व्यवस्था की जाए। जहां लाइट की व्यवस्था नहीं है, वहां पर लाइट उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही जो पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हैं, उनकी मरम्मत की जाए। जहां रेलिंग नहीं, वहां रेलिंग लगाई जाए। इसके अलावा पुल-पुलिया पर पानी होने की दशा में कोई भी आवागमन ना हो इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था हो। बैठक में तहसीलदार आशुतोष शर्मा, सीईओ जनपद पंचायत केपी राजोरिया, थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा, नेमावर नगर परिषद अध्यक्ष कृष्ण गोपाल अग्रवाल, सीएमओ बालीराम मंडलोई, पार्षदगण के साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारी- कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक सहित मीडियाकर्मी मौजूद थे।

ग्राम वासियों ने ली जल को बचाने की शपथ

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुएं, बावड़ी, नदी एवं तालाबों की जा रही सफाई

अनोखा तीर, खातेगांव। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं, तालाब, झील, कुआं, आदि के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए जनपद पंचायत खातेगांव में अभियान चलाया जा रहा है। खातेगांव जनपद पंचायत सीईओ कप राजोरिया ने बताया कि जल गंगा अभियान के तहत जिलाधीश ऋषभ गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापत के मार्गदर्शन में खातेगांव एसडीएम प्रिया चंद्रावल, तहसीलदार अरविंद दिवाकर एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अभियान के तहत विभिन्न कार्य किया जा रहे हैं। अभियान के तहत जनपद पंचायत खातेगांव के ग्रामों में कुएं, नदी, नालों एवं तालाबों की गहरीकरण एवं साफ-सफाई की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले के नागरिकगणों से भी आगे बढ़कर सहभागिता करने का आग्रह किया जा रहा है। विकासखंड खातेगांव की ग्राम पंचायत कांजीपुरा में तालाब गहरीकरण, आमला में तालाब गहरीकरण का कार्य, बरछा बुजुर्ग में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नाल गहरीकरण कार्य का जन सहयोग से शुभारंभ किया। सुलगांव में कुआं सफाई कार्य, ग्राम पंचायत बछखाल में तालाब गहरी करण व अन्य गाम में तालाब, गहरीकरण, नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए सम्पूर्ण जिले में अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है।

श्री क्षत्रिय मराठा समाज पब्लिक ट्रस्ट ने धूनी संस्थान पर किया पौधारोपण

अनोखा तीर, देवास। श्री क्षत्रिय मराठा समाज पब्लिक ट्रस्ट द्वारा श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की 1675वीं राज्याभिषेक पर आयोजित दो दिवसीय आयोजन का समापन हुआ। कार्यकारिणी अध्यक्ष सुभाष शिंदे एवं सचिव किरण वर्पे ने बताया कि दो दिवसीय महोत्सव अंतर्गत अंतिम दिवस समाजजनों ने वृहद पौधारोपण अभियान अंतर्गत मल्हार रोड स्थित धूनी संस्थान पर आम, नीम, पीपल सहित अन्य फलदार, छायादार पौधो का रोपण कर उनके पालन-पोषण का संकल्प लेते हुए निर्णय लिया कि वर्षा ऋतु के दौरान पौधारोपण करने का सिलसिला सतत रूप से जारी रहेगा। पौधारोपण के पूर्व समाजजनों ने गुरू शीलनाथ जी महाराज की पूजा कर दर्शनलाभ लिया। इस अवसर पर समाज के पूर्व ट्रस्टी अध्यक्ष प्रकाश देशमुख, दीपक काले, प्रमोद जाधव, उमेश निम्बालकर, गिरीश भंवर, समरजीत जाधव, तरुण सोनोने, संतोष सांवत, भालचंद्र ताकोणे, श्यामराव बोरोडे, मीना जाधव सहित समाजजन व शीलनाथ धूनी संस्था के पदाधिकारी व भक्तजन उपस्थित थे।

मामला अवैध वन कटाई का

स्पष्ट जांच या फिर रस्म अदाईगी

वन विभाग की जांच पर उठ रहे सवाल

गजेन्द्र खंडेलवाल (सोनू) भैरुंदा। रेहटी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चकल्दी के जंगल क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से वन माफियाओं ने उत्पाद मचा रखा है। ग्रामीण भी प्रकृति का दोहन करने वाले ऐसे माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। लेकिन वन अमला जंगलों को बचाने की बजाय उजाड़ने में जुटा है। ताजा मामला चकल्दी गांव से ही निकल कर सामने आया जहां वन माफियाओं ने केवल जंगल ही साफ नहीं किए बल्कि वन परिक्षेत्र के दायरे में आने के बावजूद भी वनरक्षक, बीट प्रभारी, डिप्टी रेंजर सहित अन्य अधिकारियों से साठगांठ कर आरामशीन व फर्नीचर की दुकान ही खुलवा दी। जंगल क्षेत्र से कुछ दूरी पर ही आसानी के साथ सागौन के बने हुए फर्नीचर बिना किसी जांच के उपलब्ध हो जाते हैं। जब इसकी जानकारी मीडिया तक पहुंची और यह मामला उभर कर सामने आया तो विभागीय अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए। जांच के नाम पर भी कागजों की खाना पूर्ति करने के लिए रस्म अदाइगी देखने को मिली। वनरक्षक, वीट प्रभारी व डिप्टी रेंजर जांच के लिए तो पहुंचे लेकिन उन्होंने मौके पर मौजूद वन माफियाओं को ही गवाह बनकर जांच की खानापूर्ति की। अब सवाल यह उठता है कि आखिरकार विभागीय स्तर पर वनों को बचाने के मामले में अधिकारी ईमानदारी के साथ अपना कर्तव्य कब निभाएंगे।

उठते सवाल – नौकरी सरकार की या फिर माफियाओं के साथ मिलीभगत की

प्रकृति का संरक्षण नहीं होने से मौसम चक्र में अंसमय ही बदलाव होने का खामियाज इस समय आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। साल दर साल तापमान में बढ़ोत्तरी होती जा रही है और हीटबेव के हालात बनने लगे हैं। जिसका सीधा असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। मानव को अपना जीवन चलाने के लिए प्रकृति के संरक्षण की आवश्यकता महसूस होने लगी है। लेकिन इसी बीच क्या वन विभाग में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी सरकारी नौकरी के दौरान ली गई शपथ से न्याय कर रहे हैं? वर्तमान में तो ऐसा लगता है कि इस विभाग में पदस्थ सरकारी सेवक सरकार की नौकरी नहीं कर रहे बल्कि वन माफियाओं से मिली भगत कर उनकी नौकरी करते हुए वनों का विनाश करने में जुटे हुए हैं।

ग्रामीणों की माने तो वनों की कटाई का सरगना स्वयं विभाग

जंगल क्षेत्र से लगे हुए ग्रामीणों की बातों पर यदि विश्वास किया जाए तो यह बात निकाल कर सामने आ रही है कि वनों की कटाई का सरगना तो स्वयं वन विभाग या वन विकास निगम ही है। वनों से होने वाली कटाई यहां पर पदस्थ वनरक्षक, वीट गार्ड, डिप्टी रेंजर के संरक्षण में ही होती है। इसकी जानकारी रेंजर, एसडीओ, डीएफओ सहित भोपाल में बैठे अधिकारियों के पास तक होती है। लेकिन हमेशा ही वनों की कटाई के मामले को अन्य रूप दे दिया जाता है।

कभी हुआ करता था घना जंगल, अब नजर आ रहे हैं केवल सरपट मैदान व ठूंठ

यदि बात चकल्दी के आसपास के गांव की करें तो दो दर्जन से अधिक गांव ऐसे थे जहां घना जंगल हुआ करता था। लेकिन अब यहां पर सरपट मैदान व लकड़ी के ठूठ ही देखने को मिल रहे हैं। जंगल साफ हो चुके हैं और यहां सिर्फ मैदान नजर आ रहा है। ऐसे गांव आमझिरी, चतरकोटा कोठरा, ढाबा, बनियागांव लावापानी,सेमलपानी, भैंसान, अमीरगंज, सिराली, लोहपठार, सुराई, खापा, पाटतलाई, कांकरिया, महादेव बेदरा, बीलपाटी सहित अन्य गांव थे। जहां सिर्फ जंगल और वनोपज के अलावा अन्य कोई नजर नहीं आता था।

गांव से लगे खड़लिया नाले पर आरा मशीन का संचालन, विभाग का कहना कोरी अपवाह

हालांकि वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी गांव के आसपास लगी आरा मशीन की बातों को अपवाह बता रहे हैं। लेकिन ग्रामीणों के मुताबिक आम लोगों की नजरों से बचने के लिए आरा मशीन को तालों के अंदर बंद कर रखा है। इसके अंदर तक जाना किसी के लिए संभव नहीं है। गांव से लगे हुए खड़लिया नाले पर इसका संचालन इस लिए किया जाता है कि यहां आसानी से जंगल के रास्ते लकड़ी पहुंच जाती है। अब विभाग इस मामले में क्या महत्वपूर्ण कदम उठाता है यह देखना होगा।

एक–दूसरे पर दोषारोपण करने की प्रथा कब होगी बंद

अमूमन यह लंबे समय से देखने में आ रहा है कि जब भी वनों की कटाई को लेकर वन विभाग या वन विकास निगम के अधिकारियों से चर्चा की जाती है, तो हमेशा यही सुनने में आता है कि लकड़ी की कटाई तो दूसरे क्षेत्र से हो रही है। वन विभाग, वन विकास निगम पर अपना आरोप जड़ता है तो वन विकास निगम इसे वन विभाग की मिलीभगत बताता है। चकल्दी जंगल क्षेत्र में भी अधिकारी कुछ इसी तरह के बयान बाजी करते हुए नजर आए। जिसमें यहां पर हो रही अवैध कटाई को वन विभाग के अधिकारियों ने वन विकास निगम के जंगलों से काटकर लेकर आना बताया है।

नल जल योजना में भारी भ्रष्टाचार, जल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

कांग्रेस नेता ने लगाया आरोप, गंदा पानी पीने को मजबूर आमजन

अनोखा तीर, भैरूंदा। पूर्व मुख्यमंत्री के क्षेत्र में करोड़ों रुपए की नल जल योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है और ग्रामीणों को भीषण गर्मी के दौरान भी पानी की आपूर्ति सही ढंग से नहीं हो पा रही। कई ग्रामों में तो ग्रामीण जन गंदा पानी पीने को मजबूर है और अधिकारी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे। कई ग्राम तो ऐसे हैं जहां पीएचई विभाग को हैंडपंप के माध्यम से आपूर्ति करने के लिए कहा गया। लेकिन अधिकारियों ने ग्रामीणों की एक न सुनी। उक्त आरोप कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा ने लगाया है। प्रेस नोट जारी करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घरों घर नर्मदा जल पहुंचने के लिए मरदानपुर समूह योजना लागू की। इस योजना के बाद उम्मीद थी कि 180 गांव के ग्रामीणों को नर्मदा का जल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। लेकिन जिस

दिन से यह योजना शुरू हुई है वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। हालात यह है कि इस भीषण गर्मी में भी सही ढंग से पानी नसीब नहीं हो पा रहा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ग्वालियर में ही पीएचई विभाग का करोड़ों रुपए का एक घोटाला उभर कर सामने आया है। जिसमें 71 करोड़ रुपए से भी अधिक का घोटाला हुआ है। योजनाओं में किस तरह से भाजपा की सरकार ने अपने नेताओं को फायदा दिलाने के लिए बंदर वाट की है इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। बुधनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सिंहपुर में हैंड पंप की नितांत आवश्यकता है और इसके लिए स्वयं उनके द्वारा बीते 22 जून 2023 को हैंड पंप लगवाने के लिए आवेदन दिया था। लेकिन आज दिनांक तक भी वहां हैंड पंप नहीं लग पाया। जहां पर आवश्यकता है वहां के ग्रामीण बार-बार मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांग पर कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल भी उपलब्ध नहीं कर सके हैं। संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र नर्मदा नदी की गोद में बसा हुआ है। लेकिन उसके बाद भी दिया तरह अंधेरा की कहावत चरितार्थ हो रही है।

मेंढकी रोड ओव्हर ब्रिज पर लगाए बेशर्म के पौधे, किया गया घटिया सामग्री का उपयोग

ट्विटर के माध्यम से कई बार शिकायत भी की, लेकिन ब्रिज में नहीं हो सका सुधार

अनोखा तीर, देवास। कई वर्षों की मांग के बाद बने मेंढकी रोड रेलवे ओवरब्रिज एक बार फिर सुर्खिया में आ गया है। कुछ माह पूर्व ही नवनिर्मित

ब्रिज शुरू हुआ था। ब्रिज में किस प्रकार की सामग्री का उपयोग किया गया है। वह अब दिखने लगा है। मेंढकी ओव्हर ब्रिज जगह-जगह से उखड़ने लगा है, जिससे दुर्घटना होने की संभावना है। ब्रिज के घटिया निर्माण कार्य को लेकर पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि राहुल पवार ने शनिवार को बेशर्म के पौधे लगाकर प्रदर्शन किया व गड्ढों को चुने से बॉर्डर बनाई। पवार ने बताया कि मेंढकी रोड क्रासिंग पर बने ओव्हरब्रिज जो कि कलेक्टर बंगले से चाणक्यपुरी चौराहा तक करोड़ों रुपए की लागत से बना हुआ है। जिसकी कार्य अवधि तीन वर्ष की थी। जिसका भूमि पूजन लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व कर इसे चालू किया गया था। कुछ समय पूर्व शुरू हुए ओव्हरब्रिज की दशा व दिशा पूरी तरह खराब हो चुकी है। छह माह में ही सरिया व गिट्टी बाहर आ गए है। पूरी तरह से जगह-जगह से ब्रिज क्षतिग्रस्त होने लग गया है। निर्माण कम्पनी द्वारा घटिया तरीके से निर्माण कार्य किया गया है। पवार ने बताया कि ब्रिज के संबंध में कई बार ट्वीटर के माध्यम से शिकायत की, किंतु कोई औचित्य नहीं निकला। ऐसी भ्रष्ट निर्माणाधीन कम्पनी व अधिकारियों पर उचित कार्यवाही की जाए। पवार ने मांग की है कि समय रहते निर्माण कम्पनी व अधिकारियों पर उचित कार्यवाही की जाए। अन्य उग्र आंदोलन किया जाए।

राष्ट्रीय सीनियर पेंचक सिलाट प्रतियोगिता के लिए टीम भुवनेश्वर रवाना

अनोखा तीर, देवास। 10 से 13 जून 2024 तक किट यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर ओडिशा में 12वीं सीनियर पेंचक सिलाट राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मप्र पेंचक सिलाट टीम भुवनेश्वर रवाना हुई। पेंचक सिलाट एसोसिएशन मप्र अध्यक्ष अबरार एहमद शेख ने बताया कि मप्र के विभिन्न जिलों के 31 चयनित खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अपने अपने वर्ग समूह में भाग लेंगे। रवाना होने से पूर्व देवास में 6 से 8 जून तक तीन दिवसीय प्री नेशनल कैम्प का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय देवास में गया। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रैफरी और कोच अभय श्रीवास द्वारा मप्र से आए सभी खिलाड़ी को प्रशिक्षण दिया। खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल व देवास खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ट्रेक सूट दिए गए। ट्रेक सूट का वितरण उत्कृष्ट विद्यालय में अशोक साहू प्राचार्य, पत्रकार चेतन राठौड़, देवास खेल विभाग से जावेद पठान और मध्य प्रदेश के सचिव अभय श्रीवास ने किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी जागृति योगी, दिशा रेड्डी, भूमिका जैन, लक्ष्मी मालवीय, सौरभ गौतम, प्रांजल बुडानिया, ऋषभ जयसवाल, धैर्य पांडे, सौरभ गौतम देवास, हिमांशु शर्मा, आसिफ अली, आशू कुमार, शोभित आडवाणी, निहारिका राजपुरोहित, रितिका कुशवाहा, चिंतामणि विश्वकर्मा, सोनाली मौर्य, तृप्ति पांडे, रीना गुर्जर भोपाल, तुलसी बैरागी मंदसौर, अमित रजक सतना, अनुश्री कुशवाहा, विशाखा कोल, पिंकी कोल, ईशान सराफ जबलपुर, अजय केला रीवा, रितेश गुर्जर उज्जैन, हिमांशी जाट, तन्वी श्रीवास्तव, महेंद्र स्वामी इंदौर, धर्मराज डांगी राजगढ़ अपने-अपने वर्ग समूह में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम कोच अभय श्रीवास और जैनब खान होंगे। खिलाड़ी के रवाना होने पर श्रीमंत गायत्री राजे पंवार, महाराज विक्रम सिंह, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, सभापति रवि जैन, मनीष सेन नेता प्रतिपक्ष, रामदयाल यादव पार्षद, खेल विभाग के खेल अधिकारी हेमंत सुवीर, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर सोमानी, समाजसेवी प्रमोद गोंडवाल, संदीप जाधव कोषाध्यक्ष, यूनिवर्शल मार्शल आर्ट अकादमी के सभी खिलाड़ी, कोच, पालकगण ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

लोकतंत्र की मजबूती में जिसका मत नहीं, उसे योजनाओं का लाभ लेने का हक नहीं

पत्रकार ललित शर्मा ने मुख्य चुनाव आयुक्त, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को लिखा पत्र

अनोखा तीर, देवास। देश में समय-समय पर लोकसभा व विधानसभा चुनाव होते हैं, जिसमें कहीं पर 40 तो कहीं पर 50 से 55 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग नहीं करते हैं। चुनाव आयोग द्वारा कई बार शत-प्रतिशत मतदान के लिए जागरूकता अभियान चलाए गए, लेकिन नतीजा अभी भी वहीं का वहीं है। इसे लेकर पत्रकार ललित शर्मा ने मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र लिखकर महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। इसके साथ ही पत्र की एक प्रति सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी को भी प्रेषित की है। इस पत्र में कहा गया है कि जिसका मतदान में और सरकार चयन में मत न हो, उसे शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिले। मतदान के समय वीवीपैट मशीन की तरह एक अन्य मशीन भी लगाई जाए, जो उसी समय मतदाता को मतदान का प्रमाणपत्र उपलब्ध करा दें। यह मतदान प्रमाणपत्र विभिन्न शासकीय योजनाओं में अनिवार्य किया जाए और इस प्रमाणपत्र के न होने पर उक्त व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ न दिया जाए। बिना प्रमाणपत्र के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाए। यहां तक कि शासन की ओर से कोई भी लाभ

अभ्यर्थी को मिले, उसमें लाभार्थी के स्वयं का प्रमाणपत्र अनिवार्य हो। जो योजनाएं संचालित हो रही हैं, उसमें लाभार्थियों की केवायसी अनिवार्य कराई जाए, जिसमें मतदान प्रमाणपत्र आवश्यक हो। ऐसे में होगा यह कि इस प्रमाणपत्र को हासिल करने के लिए और शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोकसभा व विधानसभा चुनावों में लोग अपनी रुचि दिखाएंगे और मतदान शत प्रतिशत होने की संभवनाएं प्रबल होंगी। ऐसे में न सिर्फ देश की जनता का बहुमत किस ओर है यह स्पष्ट होगा, बल्कि लोकतंत्र भी मजबूत होगा। वर्तमान में देश की लगभग आधी आबादी ही सरकारों का चयन कर रही है। ऐसे में कई बार मिलीजुली सरकारें बनती हैं, जो देशहित में भी नहीं रहती। मध्यावती चुनाव की नौबत भी आती है। यदि मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा, तो ऐसी संभावनाएं भी कम होंगी। हाल ही में हुए चुनाव में देखने में आया है कि देश के विभिन्न प्रदेशों में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा। पहले और दूसरे चरण में तो मतदान का प्रतिशत निराशाजनक रहा। मतदाताओं ने मतदान में अपनी रुचि नहीं दिखाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जो मतदाता सरकार चुनने में अपना मत न दें, उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ भी क्यों मिले? जब मतदाता ऐसे लाभ से वंचित रहेंगे तो उन्हें भी अपने मतदान का महत्व समझ आएगा और वे मतदान के लिए प्रेरित होंगे।

न्यूज ट्रेक

आग से जलकर पांच मवेशियों की मौत, चार झुलसे, कृषि उपकरण खाक

अनोखा तीर, बैतूल। जिले के साईंखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पौनी में आग ने भारी तबाही मचाई। यहां बीती रात मवेशियों के कोठे में आग लग गई। इससे पांच मवेशियों की मौत हो गई। वहीं 4 मवेशी बुरी तरह झुलस गए हैं। कृषि के काम में आने वाले 45 पाइप भी जल गए। किसान को आगजनी की घटना में 4 से 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर रात में 2 बजे

दमकल ने पहुंचकर मौके पर आग बुझाई है। दमकल के कर्मचारी सुमित पूरी ने बताया कि रात 1.30 बजे के लगभग साईंखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पौनी में अनिल खाददेव और श्यामराव खाददेव के खेत में बने गाय के दो कोठे में आग लगी। इसकी सूचना मुलताई नगर पालिका की फायर टीम को मिली। सूचना मिलने पर मौके पर टीम ने पहुंचकर आग पर पाया काबू। आग किस कारण से लगी, इसका पता नहीं चला है। आग लगने का जब किसान को पता चला तब तक आग बहुत ज्यादा फैल चुकी थी। किसान अनिल खाददेव ने बताया कि कोठे में बंधे एक गाय, एक बछड़ा, एक बैल जलकर मर गए। इसके अलावा दो जानवर झुलस गए। सिंचाई के 45 पाइप, कृषि सामग्री और 50 बोरी खाद भी जल गया। वहीं उसके बाजू में श्यामराव खाददेव के कोठे में बधी एक बछिया, 100 सिंचाई के पाइप, कृषि सामग्री पूरी तरह से जल गई है।

शक्ति घाट पर श्रमदान एवं जन जागरूकता अभियान चलाया

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। स्थानीय नगर पालिका द्वारा शासन के निर्देश अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 5 जून से 16 जून तक चलाया जा रहा है। जिसमें निकाय क्षेत्र में स्थित विभिन्न जल स्रोतों, नदी-तालाबों कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्रोत के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए विभिन्न गतिविधियां कराई जा रही है। जिसमें वार्ड नंबर 12 शक्ति घाट पर विशेष

सफाई एवं श्रमदान का कार्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा किया गया। साथ ही सभी को अपने आसपास साफ-सफाई रखने के लिए जागरूक भी किया गया। जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल भलावी, पार्षद, मुख्य लिपिक संजय गोयल, उपयंत्री राहुल शर्मा, राजस्व उप निरीक्षक अमर सिंह उइके, स्वच्छता निरीक्षक डॉ. प्रशांत कुमार शर्मा, शुभम साहू, संतोष चौहान, अर्पित कटियार, राजेश यादव, शुभम सोनी, शीला धन्यासे, किरण रघुवंशी, प्रभारी सफाई जमादार नरेंद्र गोहर, रूप सिंह राठौर, दुर्गा महोरिया, भुरू बग्गन, अनूप पवार के साथ-साथ सफाई दल एवं नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल भलावी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के शहर के सभी वार्डों में जल स्रोतों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जाकर सफाई की जा रही है एवं नागरिकों को भी जल संवर्धन के लिए जागरूक करने विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित कराई जा रही हैं। जिसके अंतर्गत शक्ति घाट की साफ सफाई कराई गई।

अपनी संस्कृति की पहचान साड़ी प्रथा को जागरूक करने निकाली रैली

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अपनी संस्कृति साड़ी प्रथा को जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई। यह रैली गायत्री मंदिर से शुरू होकर राधावल्लभ मंदिर, नर्मदा मंदिर, कल्लू चौक होते हुए सीताराम मंदिर पर पहुंची। जिसमें महिला मंडल द्वारा नारी शक्ति को साड़ी पहनने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। रैली में रानी लक्ष्मी बाई की भूमिका में श्वेता एवं रानी पद्मावती की भूमिका में शुभांगी सारडा थीं। सीताराम मंदिर पहुंचकर महेश वंदना प्रीति कचोलिया एवं शुभांगी सारडा द्वारा की गई। अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया एवं पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. कांति बाथम एवं एसई सोनाली चौधरी थीं। डॉ. बाथम ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति साड़ी पहनना चाहिए। हमारी भारतीय संस्कृति पश्चिमी देशों की महिलाएं अपना रही हैं। वह साड़ी भी पहन रही हैं और मांग में सिंदूर भी भर रही हैं। एसई सोनाली चौधरी ने कहा कि हमें ड्यूटी पर ड्रेस पहनना पड़ती है, लेकिन जब भी मौका आता है हमें साड़ी पहनना बहुत

अच्छा लगता है। यह हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू राठी ने कहा कि नारी की गरिमा साड़ी से उभर कर आती है। सभी शुभ अवसरों पर साड़ियों का पहनना शुभ माना जाता है, यह सात्विक वस्त्र माना जाता है। साड़ी पहनने से शारीरिक और मानसिक रूप से महिला स्वस्थ रहती है। माहेश्वरी महिला मंडल के जिला संचालिका के कहा हम अपनी नई पीढ़ी को साड़ी परिधान की संस्कृति की पहचान के रूप में विरासत में दे रहे हैं और वह भी अपने आने वाली पीढ़ी को यह अपनी संस्कृति की पहचान साड़ी पहनना विरासत में दे। कार्यक्रम में सर्व समाज की महिलाएं उपस्थित थीं। सभी ने कहा हमें भारतीय नारी होने पर गर्व है। उन्होंने कहा साड़ी नकारात्मक ऊर्जा से नारी को बचाती है। कार्यक्रम का संचालन पूजा खडलोया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. कांति बाथम, एसई सोनाली चौधरी, माहेश्वरी महिला मंडल जिला संचालिका सुनीता सारडा, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष नीरू राठी, प्रेमलता तोषनीवाल, शीला खडलोया, शीला सारडा, उषा साबू, वर्षा सारडा, लक्ष्मी टावरी, मोना टावरी, प्रीति कचोलिया, ज्योति व्यास, मीना अग्रवाल, कृष्णा व्यास, शीला चतर सहित सभी समाज की महिलाएं उपस्थित थीं।

मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर

भाजपा कार्यालय में मनाया गया जश्न

- **भारत माता के जयघोष के लगाये नारे, कार्यकर्ताओं को बांटी मिठाईयां**

अनोखा तीर, बैतूल।

भारतीय जनता पार्टी के नेता देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, पूर्व सांसद ज्योति धुर्वे, सुभाष आहूजा, पूर्व जिलाध्यक्ष वसंत बाबा माकोड़े के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित होकर श्री मोदी के संसदीय दल के नेता चुने जाने पर जश्न व हर्ष से भरा आयोजन कर आतिशबाजी कर मिठाईयां बांटी एवं भारत माता की जयघोष के नारे लगाये गए। तत्पश्चात कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाईयां दी। कार्यक्रम के अवसर पर जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि नरेन्द्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना देश के करोड़ों नागरिकों का सपना था जो आज पूरा हो रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को मिले जनादेश के प्रति प्रदेशवासियों एवं बैतूल जिले के मतदाताओं के प्रति आभार भी व्यक्त किया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी तीसरी बार पुनः प्रधानमंत्री पद पर आसीन होंगे तो निश्चित ही तेज गति के साथ संपूर्ण भारत देश का विकास होगा और देशवासियों का हर सपना पूरा होगा। उन्होंने बैतूल जिले के सभी मतदाताओं एवं भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं का आभार मानते हुए धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुधाकर पंवार, जिलाउपाध्यक्ष रष्मि साहू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ममता मालवी, किसान मोर्चा महेश्वरसिंह चंदेल, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, नपाउपाध्यक्ष महेश राठौर, सह कोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी, कृष्णा अमरूते, वर्षा खाडे, सुनिता देषमुख, वर्षा बारस्कर, कविता रघुवंषी, इंदू ढढोरे, मीना बोरबन, अनिता माथनकर, उर्मिला मालवी, मनीषा साहू, चंद्रकला पंडोले, कला माकोड़े, बबलू मालवी, राजा साहू, कैलाष धोटे, पवन यादव, मुन्ना मानकर, विकास पंवार, पवन शर्मा, राज सूर्यवंशी, रमेष बारस्कर, आशीष पंवार, रवि हिराणी, राजेन्द्र निरापुरे, अनिल मंडलकर, जितेन्द्र जैन, रूपेष काले, मोनू सोनी, आशीष ऐनिया, अनिल पंवार, अनुराग सोनी, सतीष अमरूते, बलवीर मालवी, शेखर बारस्कर, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

भिक्षावृत्ति की रोकधाम के लिए चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

अनोखा तीर, इटारसी। शहर के सभी 34 वार्डों में महिला बाल विकास एवं नगरपालिका की टीम द्वारा नाबालिकों को भिक्षा मांगने से रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य नाबालिक बच्चों को भिक्षा नहीं शिक्षा दिलाने का है। महिला बाल विकास की परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला एवं

नगरपालिका की टीम सभी वार्डों में पहुंचकर नाबालिकों को भिक्षा मांगने से रोकने जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। घर-घर जाकर लोगों से नाबालिकों को भिक्षा नहीं देने की बात टीम द्वारा समझाया जा रहा है। टीम द्वारा झुग्गी बस्तियों में जाकर जो बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं, उनको समझाया जा रहा है। स्कूल जाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया जा रहा है। घर-घर खाकर सभी को समझाया जा रहा है कि बच्चों को भीख नहीं शिक्षा की आवश्यकता है, इसी लिये आज से उन्हें भिक्षा देना बंद करें। आपके दिये हुए पैसे से बच्चे का भविष्य बनता नहीं बल्कि बिगड़ता है।

इधर कट रहे जंगल

उधर रेत परिवहन की कार्रवाही पर व्यस्त रेंजर

अनोखा तीर, भैंसदेही।

क्षेत्र में जंगल कट रहे हैं और रेंजर का रेत परिवहन की ओर ध्यान है। जिसका वन माफिया पूरा-पूरा फायदा उठा रहे है। हालात यह है कि वन माफिया सागौन सहित अन्य पेड़ों को निशाना बना रहे है, तो वहीं वन विभाग मौन साधे हुए है। रेत परिवहन पर कार्रवाही में भी रेंजर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मतलब, रेंजर ने जिन ट्रैक्टरों पर कार्रवाही की है, उन ट्रैक्टरों के मालिक का कहना है कि रेत की उनके पास रायल्टी मौजूद है। वन विभाग ने जो ट्रेक्टर पकड़े है, वह वन विभाग का क्षेत्राधिकार भी नहीं था। राजस्व क्षेत्र से ट्रैक्टरों को रेंजर ने पकड़कर बिना किसी दस्तावेज को देखे कार्रवाही की है। जिसकी ट्रैक्टर मालिक ने शिकायत भी की है। बताया जा रहा है कि वन विभाग द्वारा कुछ दिनों पहले ट्रैक्टर पकड़ थे। ट्रैक्टर मालिक रमेश पिता देवीसिंह नरवरे का कहना है कि जिन ट्रैक्टरों पर अवैध रेत परिवहन की कार्रवाही भैंसदेही रेंजर द्वारा की गई है, उन ट्रेक्टरों में भरी रेत की रायल्टी उनके पास मौजूद है। दोनों ट्रैक्टरों की रायल्टी होने के बाद भी रेंजर ने द्वेषपूर्ण कार्रवाही की है। जिसकी शिकायत जिला कलेक्टर, एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों से की है। ट्रैक्टर मालिक रमेश नरवरे का आरोप है कि उनके पास सभी दस्तावेज मौजूद होने के बाद भी रेंजर ने जबरदस्ती कार्रवाही की है। ट्रैक्टर चालक श्याम अखंडे और विजय छितकारे को रोका और उनके साथ मारपीट की गई। गाली-गलौच कर अपशब्दों का प्रयोग किया गया। फारेस्ट ऑफिस लाकर ड्रायवरों को बंद कर दिया गया। ट्रैक्टर मालिक ने रेंजर पर अवैध रुपए से पैसे मांगने का भी आरोप लगाया है। आवेदक ट्रैक्टर मालिक ने उक्त मामले की सूक्ष्मता से जांच कर उचित कार्रवाही किये जाने की मांग अधिकारियों से की है।

इनका कहना है- रेत वाले मामले की अभी जांच चल रही है। पेड़ काटने वाली जो बात है इसकी जानकारी मुझे व्हाटसअप कर दीजिए। इसकी भी जांच कराई जाएगी।

- विजयानंतम टीआर, डीएफओ, दक्षिण वन मंडल बैतूल।

मेरे पास रेत की रायल्टी है। सभी दस्तावेज पूर्ण होने के बाद भी रेंजर द्वारा जबरन मामला बनाया है। इसकी शिकायत की है।

- रमेश नरवरे, ट्रैक्टर मालिक।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सरकारी कुएं में हुआ श्रमदान

- **आज निकलेगी कलश यात्रा, होगी निबंधन स्पर्धा**

अनोखा तीर, सारनी। स्थानीय नगर पालिका परिषद द्वारा शनिवार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिए वार्ड 1 स्थित सरकारी कुएं की सफाई में श्रमदान किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने जल संवर्धन से संबंधित शपथ दिलाई। मठारदेव महाराज वार्ड 1 में स्थित सरकारी कुएं पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान से सफाई कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद सारनी द्वारा रखा गया। शनिवार सुबह 7.30 बजे से नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, पार्षद छाया अतुलकर, भीम बहादुर थापा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीके मेश्राम की उपस्थिति में श्रमदान प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सभी ने मिलकर कुआं परिसर की सफाई की। नगर पालिका के कर्मचारियों ने कुएं के भीतर उतरकर यहां उगी खरपतवार, झाड़ियां काटकर साफ की। इसके अलावा पानी में गिरे कचरे को भी हटाया। नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे ने कहा कि वार्ड 1 का यह कुआं काफी पुराना है। इससे वर्षों तक नगर के लोगों ने पानी पिया है। इसलिए इसका संवर्धन आवश्यक है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीके मेश्राम ने उक्त कुएं में लोहे की जाली लगाने और इसका रंग-रोगन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नपाध्यक्ष ने सभी को जल संवर्धन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी कमलेश पटे, उपयंत्री रविंद्र वराठे, ददन सिंह, जगदीश आहूजा, सतीश बौरासी, मुलेश रणित सहित वार्ड के आम नागरिक व पालिका के अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद थे। अभियान के तहत रविवार 9 जून को प्रात 8.30 बजे से गायत्री मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं अपरान्ह 4 बजे से शासकीय कन्या उमावि सारनी में जल संरचनाओं के संरक्षण एवं पुर्नजीवन विषय पर निबंध स्पर्धा का आयोजन भी किया गया है। उक्त स्पर्धा में सभी आयु वर्ग के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को आगामी 16 जून को छठ पूजा घाट पर अभियान के समापन अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियानः बैतूल की माचना नदी और मुलताई के ताप्ती सरोवर पर लोगों ने किया श्रमदान

अनोखा तीर, बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को बैतूल की माचना नदी और मुलताई के ताप्ती सरोवर की साफ-सफाई की गई। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के निर्देश पर जिले के सभी विकासखंडों में तालाब, बावड़ी गहरीकरण, नदी, नालों की सफाई, ऐतिहासिक एवं पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए जिले में आगामी 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जनमानस को जल संवर्धन और संरक्षण के लिये प्रेरित किया जा रहा है।

ताप्ती सरोवर घाट पर प्रतिदिन हो रही सफाई- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मुलताई में नगर विकास प्रस्फुटन समिति राजीव गांधी वार्ड के अध्यक्ष एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र नारायण देशमुख, सदस्यों सहित गायत्री परिवार के सदस्यों के द्वारा मां ताप्ती सरोवर के घाटों की लगातार तीन दिनों से सफाई की जा रही है। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 8 बजे तक मां ताप्ती सरोवर के घाटों की सफाई के लिए एक घंटे का श्रमदान सभी समाजसेवियों के द्वारा किया जा रहा है।

बैतूल की माचना नदी की साफ-सफाई- मप्र जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती चौधरी ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बैतूल ब्लॉक के माचना नदी मलकापुर में नवांकुर संस्था प्रदीपन संस्था, प्रत्याशा महिला एवं बाल उत्थान समिति, भूपेन्द्र ग्राम उत्थान समिति के द्वारा लगातार स्वच्छता अभियान जारी है। अभियान के दौरान नदी की सफाई की गई। इस दौरान बड़ी मात्रा में नदी से कचरा निकाला गया।

गौ माता उपभोग की वस्तु नहीं है उन्हें सेवा और सम्मान मिलना चाहिए : पं. पचौरी

अनोखा तीर, इटारसी। नगर के पिपलेश्वर गार्डन में कुशवाहा परिवार द्वारा भागवत कथा का आयोजन कराया जा रहा है। यहां पं. सौरभ पचौरी भागवत कथा का वाचन कर रहे हैं। कथा के छठवें दिन आचार्य सौरभ पचौरी ने कालिया मर्दन के साथ ही कृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग पर कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान जब भी धरती पर जन्म लेते हैं तो एक उद्देश्य नहीं होता, बल्कि कई सारे देश को लेकर वह धरती पर अवतरित होते हैं। कथा को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि जहां गाय की सेवा के लिए संत महात्मा धरती पर आते हैं। वर्तमान में गौ माता की दुर्गति हो रही है गौ माता को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। जिससे गौ माता भूखी प्यासी तड़पती रहती हैं। गौ माता उपभोग की वस्तु नहीं है बल्कि हमें गौ सेवा करना चाहिए, क्योंकि गौ माता में 33 कोटी देवी- देवताओं का वास होता है और गौ माता की सेवा से ही हमें पुण्य लाभ मिल सकता है। आचार्य सौरभ पचौरी ने कहा कि कलयुग में बहुत से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पिछले कुछ साल पहले घरों के सामने शुभ लाभ और सुस्वागतम लिखा होता था। आज लिखा रहता है कुत्तों से सावधान। इसी तरह पहले लोग घर में खाना खाते थे और शौच के लिए बाहर जाते थे अब शौच तो घर में करते हैं और खाना खाने बाहर जाते हैं। भागवत कथा का समापन आज 9 जून को होगा। आज की कथा सुबह 11 बजे शुरू होगी जो दोपहर में समाप्त होगी, बाद में प्रसाद का वितरण होगा।

खाटू श्याम की भजन संध्या आज- भागवत कथा के समापन के पश्चात रात में भगवान खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन होगा। भजन संध्या में भोपाल की प्रसिद्ध भजन गायिका नम्रता कुशवाहा और छिंदवाड़ा महेंद्र गौतम भजनों की प्रस्तुति देंगे।

आंचल पवार की अभूतपूर्व उपलब्धि

- कक्षा 12वी में ही एमपीपीएससी की तैयारी कर बनी जनपद सीईओ

अनोखा तीर, बैतूल। नगर के श्री अग्रसेन महाराज विद्यालय की होनहार छात्रा आंचल पवार ने अपनी मेहनत और संकल्प से एमपीपीएससी की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जनपद सीईओ का पद हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि विद्यालय और उनके शिक्षकों के लिए भी गर्व का विषय है। आंचल ने कक्षा 12वीं में ही एमपीपीएससी की तैयारी शुरू कर दी थी। उन्होंने दृढ संकल्प, आत्मविश्वास और कठोर परिश्रम के बल पर यह साबित कर दिखाया कि सच्ची लगन और निरंतर प्रयास से किसी भी मंजिल को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। उनके इस प्रयास का परिणाम आज सामने हैं, जब उन्होंने एमपीपीएससी की तैयारी कर जनपद सीईओ का पद हासिल किया है। इस अवसर पर श्री अग्रसेन महाराज विद्यालय गंज बैतूल के डायरेक्टर अनिल राठौर, अध्यक्ष डॉ. ओपी राठौर, सचिव डॉ. रिशांक राठौर, प्राचार्य सुरेश चढ़ोकर और समस्त शिक्षक स्टॉफ ने आंचल का स्वागत कर उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने भी इस अवसर पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि आंचल पवार ने न केवल अपने परिवार बल्कि विद्यालय का भी नाम रोशन किया है। उनका यह सफर अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने आंचल का सम्मान किया। डायरेक्टर अनिल राठौर ने कहा, आंचल की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने मेहनत और समर्पण से यह साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम और लगन से कुछ भी असंभव नहीं है। प्राचार्य सुरेश चढ़ोकर ने कहा, आंचल की इस सफलता से विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ है।

ओंकार नगरी में शिव महापुराण कथा आज से

● अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने किए ज्योतिर्लिंग के दर्शन, देखी व्यवस्थाएं

अनोखा तीर, खंडवा।

ओंकारेश्वर विश्व की आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां 9 मई से पंडित प्रदीप मिश्रा शिव पुराण कथा करेंगे। लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। इसी तरह के इंतजाम भी किए गए हैं। पंडित मिश्रा शनिवार को ही ओंकारेश्वर पहुंच गए। उन्होंने ओंकारेश्वर और ममलेश्वर पहुंचकर जल अभिषेक किया। भगवान से कथा करने की अनुमति मांगी। 25 एकड़ में बड़ा पंडाल और अन्य संसाधन बनाए गए हैं। रविवार से पं. मिश्रा के मुखारविंद से लाखों श्रोता ग्राम थापना में दोप. 1 से 4 बजे तक शिव महापुराण कथा का श्रवण करेंगे। कथा से पूर्व ही हजारों की संख्या में श्रोता पंडाल में पहुंचने लगे हैं। प्रशासन ने भी कथा को लेकर चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की है। शिवपुराण कथा वाचन में आने वाले यात्रियों श्रद्धालुओं के लिए सात दिनों तक मार्ग परिवर्तन एवं पार्किंग स्थान चिन्हित किए गए है। पं. प्रदीप मिश्रा की ओंकारेश्वर में मांधाता विधायक नारायण पटेल और बड़वाह विधायक सचिन बिरला ने अगवानी की। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी राव देवेन्द्र सिंह, एसडीएम शिवम प्रजापति, ट्रस्टी जंगबहादुर सिंह, तहसीलदार राजन सस्तीया ने शाल श्रीफल ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर का छायाचित्र भेंट कर स्वागत किया। शिवपुराण कथा को लेकर कानून एवं व्यवस्था के अंतर्गत श्रद्धालुओं एवं श्रोताओं के कथा में सम्मिलित होने वालों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए आने वाले श्रोताओं के लिए तथा ओंकारेश्वर मंदिर दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात पुलिस खंडवा द्वारा आवागमन हेतु मार्ग व्यवस्था एवं वाहन पार्किंग व्यवस्था की गई है।

ऐसी रहेगी व्यवस्था

शिवपुराण कथा स्थल हेतु इन्दौर, बड़वाह अथवा सनावद मूंदी की ओर से आने वाले वाहन श्रोताओं का प्रवेश मोरटक्का मोड़ से कथास्थल थापना तक रहेगा। वाहनों की पार्किंग मोरटक्का में ही रहेगी। पार्किंग स्थल से आटो रिक्शा, मेजिक वैन कथा स्थल तक आने-जाने हेतु उपलब्ध रहेंगे। ओंकारेश्वर, ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर दर्शन हेतु इन्दौर, बड़वाह अथवा सनावद, मूदी, खण्डवा की ओर से आने वाले समस्त वाहन श्रद्धालुओं का प्रवेश सनावद से कोठी होते हुए ओंकारेश्वर की ओर रहेगा। पार्किंग स्थल से आटो रिक्शा मेजिक वैन बस स्टेण्ड मंदिर तक आने-जाने हेतु उपलब्ध रहेंगे। शिवपुराण कथा स्थल से ओंकारेश्वर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कथा स्थल के सपीम शंकरा होटल के पास से आटो रिक्शा बस स्टेण्ड अथवा मंदिर तक आने-जाने हेतु उपलब्ध रहेंगे। ओंकारेश्वर की ओर से कथा स्थल जाने वाले श्रद्धालुगण अपने-अपने वाहनों से सनावद होकर मोरटक्का की ओर से जा सकेंगे। कोठी तिराहे से कथा स्थल की ओर वाहनों का प्रवेश नहीं हो सकेगा। बस स्टेण्ड पर आटो रिक्शा कथास्थल थापना तक आने-जाने हेतु उपलब्ध रहेंगे।

न्यूज ट्रेक

24 घंटे में पकड़ा गए चोरी के आरोपी

2 नाबालिग हिरासत में, एक आरोपी फरार

अनोखा तीर, बैतूल। गंज थाना पुलिस ने चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों को 24 घंटे के भीतर दबोच लिया है। आरोपियों के पास से चोरी की गई राशि भी बरामद की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक विनोबा वार्ड निवासी गोरे पवार के घर अज्ञात चोरों ने घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। यहां नगदी रुपए पर हाथ साफ कर दिए। पड़ोस में ही दूसरे घर से बाईक चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए।

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी और आखिरकार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। गंज थाना प्रभारी रविकांत डहेरिया ने बताया कि विनोबा वार्ड में पवार के यहां चोरी की घटना को अंजाम देने वाले भग्गूढाना निवासी दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। चुन्नीढाना निवासी एक आरोपी चमन अभी फरार चल रहा है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पकड़े गए नाबालिगों के पास से चोरी किए गए नगद 7 हजार रुपए बरामद किए हैं। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की। फुटेज में युवक चोरी की घटना को अंजाम देते हुए कैद हुए थे। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की कदकाठी, कपड़े, चालढाल के आधार पर दो नाबालिगों को हिरासत में लिया। इनसे पूछताछ की तो विनोबा वार्ड में चोरी की घटना को अंजाम देने की बात कबूल की है। पड़ोस के ही एक मकान से बाईक चोरी का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन घर के सदस्य जागने के कारण वे बाईक चोरी करने में सफल नहीं हो पाए थे। पकड़े गए नाबालिगों को न्यायालय पेश किया जाएगा।

जलते कंडो के बीच बैठकर चार माह से संत कर रहे कठोर साधना

अनोखा तीर, बड़वाह। निमाड़ की भीषण गर्मी में संतों की कठोर तपस्या का यह दृश्य आपकों हैरान कर सकता है। यह दृश्य आपको बड़वाह के समीप नावघाट खेडी स्थित मां नर्मदा के उत्तर तट स्थित श्री सुंदरधाम आश्रम में देखने को अभी मिल सकता है। जहा कई संतों द्वारा जलते कंडो के बीच बैठकर कोठ खप्पर धुनी तपस्या की जा रही है। श्री श्री 108 नारायण दास महाराज ने बताया की कोठ खप्पर तपस्या बंसत पंचमी से प्रारंभ होकर गंगा दशमी तक चौमासा चलती है। जिसमें प्रतिदिन तपती धूम के बीच दोपहर 12 से 3 बजे तक बालकदास महाराज सहित उनके सानिध्य में कई संत महात्मा

अलग-अलग स्थानों पर जलते कंडों के घेरे में बैठकर अपने सिर पर जलते कड़े का खप्पर रखकर जप तप करते हुए ईश्वर की आराधना करते है। श्री सुंदरधाम डेहरिया आश्रम में यह परम्परा ब्रह्मलीन संत सुन्दरदास महाराज के समय से चली आ रही है। स्वयं ब्रह्मलीन संत सुन्दरदास महाराज ने यह तप किया था। उनके बाद अब वर्तमान में आश्रम के गादीपति महंत बालकदास महाराज यह कठोर कोठ खप्पर तप कर रहे है। इस तप की समाप्ति गंगा दशहरे पर विष्णु महायज्ञ की पूर्ण आहुति के साथ होती है। इस तप का मुख्य उद्देश्य सिर्फ विश्व में सुख शांति और समृद्धि है। इस वर्ष भी 10 से 16 जून तक विश्व शांति हेतु विष्णु महायज्ञ प्रात 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। मां नर्मदा का अभिषेक एवं पूजन प्रतिदिन प्रात 5 से 8 बजे तक किया जाएगा। साथ ही सायंकाल 7 बजे नर्मदा की प्रतिदिन महाआरती होगी। सप्त दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा भी आश्रम में ही सुसज्जित पंडाल में दोपहर 3 से 6 बजे तक कथा वाचक पंडित श्याम मनावत द्वारा की जावेगी।

एक लाख का सागौन जब्त

-वन अमले ने किया पीछा तो वाहन छोड़कर भागा तस्कर

अनोखा तीर, बैतूल।

जिले में दक्षिण वन मंडल द्वारा वन माफिया के खिलाफ सतत और प्रभावी कार्यवाही जारी है। गश्ती टीम ने 7 जून को सावलमेढ़ा वन परिक्षेत्र में अशोक लिलेंड आरएलएस वाहन एमएच-40 सीएम-7136 को सागौन की तस्करी करते हुए पकड़ा है। इस कार्यवाही से वन विभाग की टीम को बड़ी सफलता मिली। तस्कर वाहन छोड़कर भागने पर मजबूर हुए। डीएफओ विजयानन्तम टीआर के मार्गदर्शन और वन परिक्षेत्र अधिकारी मानसिंग परते के नेतृत्व में जामूलनी से धाबा मार्ग पर सुबह 6 बजे संदिग्ध वाहन को रोका गया। इस पर वाहन चालक ने तेजी से वाहन को बहिरम की ओर भगाया। गश्ती टीम के पीछा करने पर वह संतरे के बगीचे में वाहन छोड़कर भाग गया। तलाशी के दौरान वाहन में 22 नग सागौन चरपट (1.996 घनमीटर) पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 10 हजार 592 रुपए आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध वन अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की विवेचना जारी है। इस कार्यवाही में मानसिंग परते, देवीराम उईके वनपाल धाबा, रमेश महस्की वनपाल थोड़ा, गौरव कुमार जैन वन रक्षक, प्रकाश चौहान वन रक्षक की अहम भूमिका रही। डीएफओ के मार्गदर्शन में गश्ती टीम की लगातार सफलता से वन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

तस्करी में कमी की उम्मीद

वन विभाग की इस सतत और सख्त कार्यवाही से अवैध तस्करी के मामलों में कमी आने की उम्मीद है। वन विभाग का यह प्रयास वन संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे क्षेत्र में वन माफिया पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर के पंजीयन की तिथि 10

अनोखा तीर, हरदा।

भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उडद के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 जून कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए प्रदेश में गत 20 मई से पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। पंजीयन की अंतिम तिथि पूर्व में 5 जून थी, जिसे बढ़ाकर अब 10 जून कर दिया गया है।

ग्रीष्मकालीन मूंग पंजीयन के लिए 49 केन्द्र बनाए- उपसंचालक कृषि संजय यादव ने बताया कि जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग पंजीयन के लिए 49 पंजीयन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इनमें हरदा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति रूपीपरेटिया, भुवनखेड़ी, गहाल, मसनगांव, पलासनेर, अबगांवखुर्द, बालागांव, मोहनपुर एवं विपणन सेवा सहकारी समिति हरदा शामिल है। इसी प्रकार हंडिया तहसील के अंतर्गत नीमगांव, पीपलघटा, सोनतलाई, अबगांवकला, धनगांव, हंडिया, खेड़ा, मांगरूल तथा नांदरा, खिरकिया तहसील के अंतर्गत छीपावड, मांदला, मोरगढी, चारूवा, खमलाय, धनवाडा, टेमलाबाडी, बांरगा व मुहाल पंजीयन केन्द्र शामिल है। इसके अलावा मूंग पंजीयन के लिये सिराली तहसील के बैडियाकला, सिराली, पीपल्या मकडाई, रहटाकलां, दीपगांवकला, सोमगांवकला व जूनापानी, टिमरनी तहसील के पोखरनी, छिदगांवमेल, करताना, बाजनियां, गोदागांवकला, रून्दलाय, तजपुरा व गोदागांवखुर्द तथा रहटगांव तहसील के रहटगांव, टेमागांव, आलमपुर, रवांग, राजाबरारी व सोडलपुर को भी पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज लेकर ही केन्द्र पर जाएं

उपसंचालक श्री यादव ने किसानों से अपील की है कि ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के पंजीयन के लिए पंजीयन केन्द्र पर आवश्यक दस्तावेज ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड, समग्र आई.डी., बैंक पासबुक, ओटीपी के लिए मोबाइल के साथ उपस्थित होकर, समयावधि में अपना पंजीयन करा लेवें। यदि किसान द्वारा खोट अथवा सिकमी पर कृषि भूमि ली गई है तो 500 रुपए के स्टाम्प पर खोटनामा लेकर उपस्थित होवें।

जिला अस्पताल में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने सौंपा ज्ञापन

अनोखा तीर, हरदा। जिला अस्पताल समेत जिले की अन्य सभी हॉस्पिटल में सरकारी कर्मचारियों की मनमानी चल रही है। जिससे क्षेत्र के गरीब वर्ग के लोगों के सामने कई समस्याएं पैदा हो रही है। विगत दिनों ऐसा ही एक मामला जिला हॉस्पिटल हरदा में सामने आया। जहां एक गरीब महिला की डिलीवरी में पहले तो विलंब किया गया, फिर फंगल इन्फेक्शन बताकर भोपाल रेफर करने का कहा गया। उक्त मामले में डॉक्टर मीनाक्षी पटेल द्वारा ये कार्य किया गया था। बाद में करणी सेना एवं परशुराम सेना द्वारा जिला कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद डॉक्टर नेमा मैडम द्वारा सामान्य डिलेवरी की गई। इस प्रकार की मनमानी से गरीब वर्ग के लोगो को काफी समस्या हो रही है। उक्त मामले को लेकर करणी सेना ने ज्ञापन सौंपकर जिला हॉस्पिटल में इस प्रकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने, डॉक्टर मीनाक्षी पटेल से उपरोक्त मामले पर सुनवाई कर उचित कार्यवाही करने, जिला अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं में सुधार करने, सभी प्रकार की जांच जिला अस्पताल में हो, ऐसी सुविधाएं करने, जिले की अन्य सरकारी संस्थाओं खिरकिया, टिमरनी, सिराली एवं हंडिया में आपातकालीन सेवाओं के लिए 24 घंटे सुविधाएं प्रदान की जाने की मांग की है। उपरोक्त मांगो को लेकर आज करणी सेना परिवार एवं परशुराम सेना ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर उक्त मांगो को शीघ्र पूर्ण करने की मांग की है।

माहेश्वरी समाज महिला मंडल द्वारा साड़ी वाकेथान

अनोखा तीर, हरदा/खिरकिया।

माहेश्वरी समाज महिला मंडल द्वारा महेश नवमी के अवसर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। उत्पत्ति दिवस के इस महापर्व के अवसर पर साड़ी का गर्व और संस्कृति प्रोजेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पाश्चात्य संस्कृति के बड़ते चलन के बीच हमारा देवालय हमारी संस्कृति की पहचान है हमारे परिधान हमारा सांस्कृतिक गौरव है इसे बताना रहा। इसी आयोजन के चलते हरदा नगर में महिला मंडल द्वारा हरदा तहसीलदार श्रीमती लवीना घाघरे के मुख्य आतिथ्य और जिला अध्यक्ष श्रीमती गोपी तोषनीवाल के मार्गदर्शन में शोभायात्रा निकाली। इस दौरान हरदा नगर इकाई अध्यक्ष रागनी तोषनिवाल, सचिव शोभना मोहता सहित महिला मंडल की सभी सदस्य उपस्तिथ थी। शोभायात्रा में नारी शक्ति और हमारी संस्कृति और हमारी वेशभूषा का चित्रण करती झाकियां सजाई गई थी। जिसमें भारत माता, पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, वरिष्ठ नेत्री सुषमा स्वराज व अन्य पात्र सजाय गए। शोभायात्रा मदनमोहन मंदिर से प्रारंभ होकर चांडक चौराहे से पोस्ट आफिस चौराहे, बड़ा मंदिर होते हुए मदमनोहन मंदिर पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन में बतोर मुख्य अतिथि के रूप में हरदा तहसीलदार श्रीमती लवीना घाघरे भी पीली साड़ी पहनकर आयोजन में शामिल हुई।

वहीं खिरकिया जनपद अध्यक्ष रानू पटेल, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंद्रजीत कौर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। रैली माहेश्वरी धर्मशाला से प्रारम्भ होकर बालाजी मंदिर पहुंची। जहां साड़ी वाकेथान के बोर्ड का अनावरण किया और और झंडा फहराया।

अतिथियों के उद्बोधन के साथ ही महिला मंडल की पदाधिकारी सुलेखा तोषनीवाल एवं सोनल धुप्पड़ ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का स्वागत किया। माहेश्वरी महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्य सीतादेवी हेड़ा, रतन देवी मूंदड़ा ने नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रजीत कौर जनपद अध्यक्ष रानू पटेल का श्रीफल भेंटकर पुष्पहार से स्वागत किया। कनक मंत्री लता हेड़ा, पुष्पा दरगड़ ने तुलसी का पौधा अतिथियों को भेंट कर उनका सम्मान किया। जिला पदाधिकारी सुनीता तोषनीवाल, आजाद तोषनीवाल का स्वागत मोहिनी मुंदडा व पदमा तापड़िया ने माला पहनाकर किया। इस दौरान महिला मंडल की ज्योति सोनी, अर्पणा हेड़ा, माधुरी राठी, सोनल तोषनीवाल, माधुरी काबरा, अर्पिता महेश्वरी, साधना राठी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थी। माहेश्वरी समाज उत्पत्ति दिवस के दौरान आयोजित कार्यक्रम को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए खिरकिया महिला मंडल द्वारा गर्मियों के चलते मंदिर में दूध की ठंडाई की सेवा दी गई एवं खिरकिया जिले के पदाधिकारी द्वारा स्वल्पाहार कराया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार खिरकिया की कल्पना हेड़ा ने किया।